Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

डाक पंजीयन संख्या:-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 255
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

लखनऊ-सोमवार,12 जनवरी 2026

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 3 चोरों को आधी रात लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा

4 याद कीजिए उन साधारण लोगों को, जिन्होंने आपकी

5 तारा सुतारिया को चाहिए कैसा दूल्हा?

सोमनाथ मंदिर पर्व में गरजे पीएम मोदी, बोले

आक्रांता मिट गए, पर हमारा सोमनाथ आज भी अडिग है

पीएम मोदी का हरित उर्जा पर जोर

गुजरात। गुजरात के सोमनाथ मंदिर में आयोजित 'स्वाभिमान पर्व' में पीएम मोदी ने भारत की सांस्कृतिक दृढ़ता को रेखांकित करते हुए कहा कि मंदिर का ध्वज देश की शक्ति का परिचय दे रहा है। उन्होंने 1000 साल पुराने हमले और मंदिर के 75 साल के आधुनिक पुनर्निर्माण का जिक्र कर इस पर्व को भारत के अस्तित्व और अभिमान का उत्सव बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोमनाथ मंदिर में आयोजित भव्य 'स्वाभिमान पर्व' में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान सोमनाथ की पूजा-अर्चना की और एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। यह अवसर इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि यह महमूद गजनवी द्वारा मंदिर पर किए गए पहले हमले (साल 1026) के 1,000 साल पूरे होने पर मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि सोमनाथ का इतिहास केवल विनाश का नहीं, बल्कि हर बार गिरकर फिर से खड़े होने और विजय का इतिहास है। उन्होंने कहा कि आज सोमनाथ के मंदिर पर लहराता ध्वज पूरी दुनिया को भारत की शक्ति और सामर्थ्य का परिचय दे रहा है। 1,000 साल का संघर्ष पीएम मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि एक हजार साल पहले हमारे पूर्वजों ने अपनी आस्था और महादेव

पीएम मोदी ने की निवेश की अपील

के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी थी। उन्होंने कहा, 'जब गजनी से लेकर औरंगजेब तक तमाम हमलावर सोमनाथ को नष्ट कर रहे थे, तो उन्हें लगा था कि उनकी तलवारें सनातन को जीत लेंगी। लेकिन वे यह नहीं समझ पाए कि सोमनाथ का अर्थ ही 'अमृत' है, जिसे मिटाया नहीं जा सकता।' प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि आज जहाँ हमले के 1,000 साल हो रहे हैं, वहीं मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। तुष्टीकरण की राजनीति पर कड़ा प्रहार अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों और गुलामी की मानसिकता रखने वाले लोगों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी कुछ लोगों ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण को रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने मंदिर बनवाने का संकल्प लिया, तो उन्हें भी बाधाओं का सामना करना पड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जिक्र करते हुए पीएम ने बताया कि 1951 में जब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद मंदिर आए थे, तब भी उन पर आपत्तियां जताई गई थीं। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण के ठेकेदारों ने हमेशा भारत की सांस्कृतिक विरासत को दबाने की कोशिश की। अद्भुत रहा 'स्वाभिमान पर्व' का नजारा इस उत्सव की भव्यता का वर्णन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1,000 ड्रोन द्वारा दिखाई गई सोमनाथ की गाथा, 108 घोड़ों की शौर्य यात्रा और 72 घंटों तक लगातार चलता मंत्रोच्चार मंत्रमुग्ध कर देने वाला रहा। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल बीते हुए समय का स्मरण नहीं है, बल्कि भारत के अस्तित्व और अभिमान का उत्सव है।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का सुझाव

'निर्माण कार्य में धूल कम करने के लिए स्टील को दें बढ़ावा'

मुंबई। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भवन निर्माण के दौरान उड़ने वाली धूल को कम करने के लिए स्टील निर्माण विधि को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से इसके लिए छूट और प्रोत्साहन देने पर विचार करने की बात कही। गोयल ने कहा कि सख्त नियम लगाने के बजाय बिल्डरों के बीच सहमति बनाना अधिक प्रभावी होगा।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भवन निर्माण के दौरान धूल प्रदूषण को कम करने के लिए पूर्वनिर्मित (प्रीकास्ट) और इस्पात (स्टील) निर्माण विधियों को प्रोत्साहन देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पूरी दुनिया में आपको मजतबूत कंक्रीट मिश्रण देखने को नहीं मिलता। आपको स्टील और पूर्वनिर्मित संरचनाएं ही दिखती हैं। शायद ये थोड़ी महंगी हैं। मैं इस बारे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातचीत करने की सोच रहा था कि क्या हम इसके लिए रियायतें और प्रोत्साहन दे सकते हैं। पीयूष गोयल उत्तरी मुंबई के मलाड पश्चिम उपनगर में स्थित आदर्श कॉम्पलैक्स में व्यापारियों और हाउसिंग सोसायटी के पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 15 जनवरी को होने वाले मुंबई नगर निगम चुनाव से पहले आयोजित की गई थी। मशीनें शहर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान उड़ने वाली धूल प्रदूषण का कारण बनती है। उन्होंने मजबूत कंक्रीट निर्माण की मशीनों को शहर से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की। गोयल ने कहा, मैंने अपने (संसदीय निर्वाचन क्षेत्र) क्षेत्र से चार-पांच मशीनें हटवा दी हैं। 'निर्माण में स्टील के इस्तेमाल के लिए बिल्डरों के बीच बने सहमति' गोयल ने यह भी सुझाव दिया कि प्रदूषण पैदा करने वाली प्रक्रियाओं का उपयोग न करने को अनिवार्य बनाने के बजाय, बिल्डरों के बीच सहमति बनाकर पूर्वनिर्मित और स्टील निर्माण विधियों का इस्तेमाल कर प्रदूषण को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

सार संक्षेप

बंद घरों में चोरी करने वाले चार गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के मड़ियांव थाना पुलिस और क्राइमब्रांच की संयुक्त टीम ने बंद घरों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी चोरी के दौरान लोगों को डराने-धमकाने के लिए असलहों और सुतली बम का भी इस्तेमाल करते थे। मड़ियांव इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा के बताया कि आरोपी बंद पड़े मकानों को निशाना बनाकर ताले तोड़ते थे। वहां से सोने-चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर लेते थे। चोरी के दौरान विरोध होने पर लोगों को डराने के लिए असलहों और सुतली बम का प्रयोग किया जाता था। गिरफ्तार चारों आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण, कई सुतली बम और अवैध असलहे बरामद किए गए हैं। पकड़े गए चोरों में नवाब अली उर्फ सलमान अली, आफताब, अफरोज और शमशुल शामिल है। इनको गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

सड़क हादसे में महिला की मौत

बांदा,(संवाददाता)। जनपद के अतर्रा में नेशनल हाईवे-35 पर रघुनंदन कुंज के पास रविवार सुबह एक सड़क हादसे में 50 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया, जिसे पुलिस ने बाद में खुलवा दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज बांदा भेजा है। मृतक महिला की पहचान शास्त्री नगर, भवानीगंज, अतर्रा निवासी राजकुमारी (50) पत्नी कल्लू नामदेव के रूप में हुई है। वह पिछले दस वर्षों से तथागत ज्ञानस्थली स्कूल में आया के पद पर कार्यरत थीं। यह घटना रविवार सुबह करीब 6.45 बजे हुई, जब राजकुमारी अपनी सहकर्मियों के साथ पैदल स्कूल जा रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बांदा की ओर से आ रही एक बोलेरो कार (यूपी 93 बीबी 1055) अचानक गलत दिशा में मुड़ गई और तेज रफ्तार से राजकुमारी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह गाड़ी में फंसकर कुछ दूर तक घिसटती चली गईं और बोलेरो का पिछला पहिया उनके ऊपर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ चल रही अन्य महिलाएं सुरक्षित बच गईं। हादसे के बाद बोलेरो चालक राहुल गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया।

गृह मंत्री का केरल में 'मिशन 2026' का शंखनाद, बोले

एलडीएफ-यूडीएफ का खेल अब खत्म होगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल में 'मिशन 2026' का ऐलान करते हुए बीजेपी सरकार बनाने का लक्ष्य रखा है, और LDF-UDF पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की मिलीभगत का आरोप लगाया।

केरल: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल में स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का लक्ष्य साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि केरल में बीजेपी का सफर आसान नहीं था, लेकिन समर्पित कार्यकर्ताओं के दम पर पार्टी ने आज एक मजबूत पहचान बनाई है। शाह ने स्पष्ट किया कि बीजेपी का अंतिम लक्ष्य केवल जीत नहीं, बल्कि केरल में अपनी सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री लाना है। शाह ने केरल की मौजूदा राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य इस वक्त एलडीएफ (LDF) और यूडीएफ (UDF) की 'मिलीभगत' के कारण ठहराव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों पार्टियों ने बारी-बारी से सत्ता में आकर भ्रष्टाचार करने का गुप्त समझौता कर लिया है। उनके अनुसार, केरल का भविष्य इन दोनों के साथ सुरक्षित नहीं है, क्योंकि वे राज्य की परंपराओं और विकास की रक्षा करने में विफल रहे हैं। शाह ने सुरक्षित केरल का वादा अमित शाह ने पार्टी की बढ़ती ताकत के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि 2014 में बीजेपी का वोट शेयर 11% था, जो 2019 में 16% और 2024 में बढ़कर 20% के पार पहुंच गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह पार्टी ने दो सीटों से शुरू करके केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाई और असम जैसे राज्यों में जीत हासिल की, वही इतिहास केरल में भी दोहराया जाएगा। एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना गृह मंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल वोटबैंक की राजनीति के कारण PFI और SDPI जैसे संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने से डरते हैं। उन्होंने कहा कि केवल बीजेपी ही केरल को ऐसी राष्ट्रविरोधी ताकतों से बचा सकती है। शाह ने तीन तलाक कानून का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने तुष्टीकरण की नीति के तहत इसका विरोध किया, जबकि बीजेपी 'सभी के लिए न्याय, किसी का तुष्टीकरण नहीं' के सिद्धांत पर चलती है।

अंकिता भंडारी केस : उत्तराखंड बन्द का मिश्रित असर, कांग्रेस ने किया यह दावा

देहरादून। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जनपद में हुए अंकिता भंडारी प्रकरण में दोषियों को आजीवन कारावास का दण्ड घोषित होने के बाद मामले में कथित वीआईपी का नाम शामिल होने की चर्चाओं के बाद मामले की उच्चतम न्यायालय के पदस्थ न्यायाधीश की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग करते हुए रविवार को आयोजित प्रदेश बंद का मिश्रित असर रहा। विभिन्न संगठनों और राजनैतिक दलों ने इस बंद का आह्वान किया था। राजधानी देहरादून, तीर्थनगरी हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल, उद्यमसिंह नगर, में बन्द का कोई विशेष प्रभाव नहीं देखने में आया। जबकि अल्मोडा, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, चमोली में मिला जुला असर रहा। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने दावा किया कि बन्द पूरी तरह सफल रहा। बन्द के आह्वान के कारण देहरादून में एक वर्ग विशेष के लोगों ने अपने ऑटो, विक्रम वाहन नहीं चलाए और न ही प्रतिष्ठान खिले। जबकि दून उद्योग व्यापार मंडल से संबद्ध अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान आम दिनों की तरह खुले। जिन स्थानों पर सुबह के समय प्रतिष्ठान बंद रहे, वहां दोपहर बाद खेल गए।

शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमले के बाद गरमाई सियासत:

गृह मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट, भाजपा ने उट ममता को घेरा

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल में विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कथित हमले के मामले में सिसायत तेज हो गई है। ऐसे में अब गृह मंत्रालय ने भी उनके कार्यालय से रिपोर्ट मांगी है। दूसरी ओर अब भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने भी ममता सरकार पर निशाना साधा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा सांसद शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर कथित हमले के मामले में चर्चा तेजी होती जा रही है। भाजपा की ओर से पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी पर खूब आरोप भी लगाए जा रहे हैं। इसी बीच अब अधिकारी के काफिले पर कथित हमले के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने उनके कार्यालय से रिपोर्ट मांगी है। यह जानकारी रविवार को एक भाजपा नेता ने दी। भाजपा के नेता के अनुसार, शुभेंदु अधिकारी का कार्यालय घटना की पूरी जानकारी और वीडियो फुटेज तैयार कर रहा है, जिसे जल्द ही केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा। भाजपा नेता ने बताया कि गृह मंत्रालय ने अधिकारी पर हुए हमले की घटना के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। नेता प्रतिपक्ष का कार्यालय इसे तैयार कर रहा है और इसे जल्द ही मंत्रालय को भेज दिया जाएगा। रवि शंकर प्रसाद ने सीएम ममता को घेरा दूसरी ओर अब इस मामले में भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कल बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस मौजूद होने के बावजूद कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इस दौरान रवि शंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी जब आई-पैक कार्यालय गई थीं, तो उन्होंने दावा किया कि वह मुख्यमंत्री के रूप में नहीं बल्कि टीएमसी अध्यक्ष के रूप में गई थीं।

आरएसएस समय के साथ विकसित हो रहा है, नए रूप धारण कर रहा है : मोहन

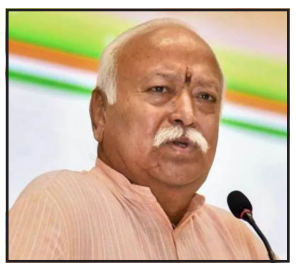

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है। आरएसएस प्रमुख यहां संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जो आगामी फिल्म (संवाददाता)शतक(संवाददाता) के गीत संग्रह के विमोचन के लिए आयोजित किया गया था। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर का वर्णन करती है। इस अवसर पर गायक सुखविंदर सिंह, निर्देशक आशीष मॉल, सह-निमार्ता आशीष तिवारी और आरएसएस के पदाधिकारी भैयाजी जोशी उपस्थित थे। भागवत ने अपने संबोधन में कहा, संगठन (आरएसएस) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि, वास्तव में यह बदल नहीं रहा है; यह बस धीरे-धीरे विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार बीज से अंकुर निकलता है और फल-फूलों से लदा परिपक्व वृक्ष एक अलग रूप धारण कर लेता है, उसी प्रकार ये दोनों रूप भिन्न हैं। फिर भी, वृक्ष मूलतः उसी बीज के समान है जिससे वह उगा है। भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने अपना जीवन बचपन से ही राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया था। उन्होंने कहा, संघ और डॉक्टर साहब (हेडगेवार) पर्यायवाची शब्द हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार महज 11 साल के थे जब उनके माता-पिता की प्लेग से मृत्यु हो गई, लेकिन उन्हें उस उम्र में या बाद में भी संवाद करने या अपने मन की बात कहने के लिए कोई नहीं मिला। भागवत ने कहा कि जब इतनी कम उम्र में ऐसा बड़ा सदमा लगता है, तो व्यक्ति अकेला हो जाता है और उसके स्वभाव और व्यक्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन हेडगेवार के साथ ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, उनके व्यक्तित्व में

ठाणे में पानी की किल्लत, कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तस : सुप्रिया सुल

ठाणे : सुले ने कहा कि ठाणे कभी एक छोटा शहर था, लेकिन राज्य और देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां बेहतर जीवन और विकास की उम्मीद लेकर आए, मगर आज उनकी उम्मीदें निराशा में बदल गई हैं। राकांपा (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने राज्य में सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही ठाणे को एक सभ्य शहर के रूप में पेश किया जा रहा हो, लेकिन पानी की किल्लत, कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं। नगर निकाय चुनावों से पहले शनिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सुले ने ठाणे के विकास के लिए बड़े पैमाने पर धनराशि मंजूर किए जाने के सरकारी दावों पर सवाल उठाए। इस मौके पर राकांपा (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड, पार्टी की ठाणे शहर इकाई के अध्यक्ष मनोज प्रधान, अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे। सुले ने कहा कि ठाणे कभी एक छोटा शहर था, लेकिन राज्य और देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां बेहतर जीवन और विकास की उम्मीद लेकर आए, मगर आज उनकी उम्मीदें निराशा में बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाणे को सभ्य शहर बताया जाता है, लेकिन पानी, कूड़ाघरों की कमी, तथा शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं अब भी हल नहीं हो पाई हैं।

झुग्गी-झोपड़ी मुक्त मुंबई, बिना ब्याज लोन; महायुति के घोषणापत्र में और क्या-क्या एलान?

मुंबई : : 15 जनवरी को होने वाले मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों को लेकर भाजपा, शिवसेना और आरपीआई (ए) महायुति गठबंधन ने अपना संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान गठबंधन ने झुग्गी-झोपड़ी मुक्त मुंबई, बिना ब्याज लोन के साथ कई चुनावी घोषणाएं की है।

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले रविवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े के साथ मिलकर बीएमसी चुनावों के लिए महायुति का संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया। महायुति गठबंधन ने अपने व्यापक घोषणापत्र में इएएळ बसों में महिलाओं के लिए किराए में 50 प्रतिशत की छूट और शहर को बांग्लादेशी प्रवासियों से 'मुक्त' करने का वादा किया है। घोषणापत्र जारी करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम 5 साल बाद जनता के सामने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे और दिखाएंगे कि हमने क्या हासिल किया है। हम मराठियों को मुंबई छोड़ने नहीं देंगे; हम उन्हें यहीं घर देंगे। कुछ लोग सिर्फ मराठियों के घरों की बातें करते हैं, लेकिन महायुति करके दिखाती है। हम डेवलपर्स नियुक्त करेंगे, और अगर वे काम नहीं करते हैं, तो MHADA (महायुति प्रशासन) काम अपने हाथ में ले लेगा। हम झुग्गीवासियों, फुटपाथ पर रहने वालों और बीएमसी के सफाई कर्मचारियों को घर देंगे। मुंबई को बांग्लादेशियों से मुक्त का वादा देवेंद्र फडणवीस ने कहा, हम मुंबई को बांग्लादेशियों से मुक्त कराएंगे। हमने अब तक सबसे अधिक बांग्लादेशियों को निर्वासित किया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से हम 100% बांग्लादेशियों की पहचान करके उन्हें निर्वासित करेंगे। एआई टूल 6 महीने में तैयार हो जाएगा। हम अवैध बांग्लादेशियों की पहचान करके उन्हें निर्वासित करेंगे। फडणवीस ने आगे कहा कि बीएमसी स्कूलों को कौशल-उन्मुख बनाएंगे और मराठी भाषा सीखने के लिए प्रयोगशालाएं स्थापित करेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने शानदार काम किया है इसे और बेहतर बनाते रहेंगे। हम 2060 की आबादी के लिए पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे और नदियों में सीवेज को रोकेंगे। नदियों को साफ करने और मुंबई को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रतिष्ठित परियोजनाओं पर 16,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बसों में महिलाओं के लिए 50 फीसदी की छूट, ब्याज मुक्त लोन उन्होंने आगे कहा कि मेट्रो, वाटर टैक्सी और सतत परिवहन पर काम करेंगे। सभी यात्रा जरूरतों के लिए एक मुंबई ऐप। हम सड़कों पर भीड़ कम करेंगे, एक्सप्रेसवे बनाएंगे और मुंबई को एक बेहतर शहर बनाएंगे। सड़कों को गड्ढों से मुक्त किया जाएगा।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-सोमवार ,12 जनवरी 2026

कोविड में मदद कर जीता विश्वास फैला दिया धर्मांतरण का मकड़जाल

कानपुर। कन्नौज में धर्मांतरण गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस ने अपनी लिखा-पढ़ी में चूक कर दी थी। इस बार पुलिस ने धर्मांतरण के मकड़जाल से निकलने के प्रयास में जुटे निबौली निवासी रामभरोसे की शिकायत पर गंभीरता दिखाई। पीड़ित ने पुलिस को आरोपियों की मदद के नाम पर प्रलोभन देने से लेकर धर्मांतरण आदि कराने का चिट्ठा खोला। कानपुर देहात में कोरेना महामारी ने लोगों को रोजगार से लेकर पेट भरने तक का संकट खड़ा कर दिया था। उस दौर में मिली तनिक सी मदद भी लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं थी। अकबरपुर थाना से एक किलोमीटर दूर पर बंद हुए एक स्कूल में व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने वाले शातिरों ने पहले लोगों को उनके कौशल निखारने व मदद करने के नाम पर विश्वास जीता। साथ ही धर्मांतरण का मकड़जाल फैलाकर कानपुर देहात के अलावा कई स्थानों के लोगों का धर्मांतरण करवा दिया। कन्नौज जिले के धर्मांतरण के मामले में पन्नालाल की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को कानपुर देहात से उसके तार जुड़े होने की जानकारी मिली। एसपी श्रद्धा नेंद्र पांडेय की ओर से एसआईटी का गठन कर जांच शुरू करवाई गई थी। शनिवार को नवार्कांति का संचालन करने वाले डेनियल शरद सिंह, हरिओम त्यागी व सावित्री शर्मा को गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि नवार्कांति सोसाइटी में पहले स्कूल का संचालन होता था। जोकि कोविड में बंद हो गया था। बाद में यहां व्यवसायिक प्रशिक्षण केंद्र का संचालन शुरू किया था। तीनों लोग सूक्ष्म व लघु स्तर पर अपना जाल फैला कर अनुसूचित जाति के लोगों व आर्थिक रूप कमजोर लोगों को फंसाते थे। आरोपी लोगों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई व अन्य तकनीकी कौशल प्रशिक्षण का प्रलोभन देकर अपने पास लाते थे। अंतरजनपदीय व दूसरे प्रांतों से तार जुड़े होने की आशंका साथ ही, लोगों को हैंडपंप सहित अन्य छोटी-छोटी जरूरत की चीजें देते थे। लोगों के जाल में फंसने पर बाइबिल रीडिंग से लेकर बेपटिस्म प्रक्रिया से शुद्धीकरण के बाद धर्मांतरण तक काम करते थे। इन लोगों ने जिले में करीब 50 हैंडपंप लगवाए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। प्रत्येक हैंडपंप लगाने में करीब 50 हजार रुपये तक का खर्चा आता था। जांच के दौरान पुलिस को संस्था के भवन से कई कागजात मिले हैं। जिनकी गहन जांच की जा रही है। आरोपियों ने अभी तक कितने लोगों का धर्मांतरण करवाया है। इनके अंतरजनपदीय व दूसरे प्रांतों से तार जुड़े होने को लेकर जांच की जा रही है। आयु वर्ग व स्तर के हिसाब से चलाते थे क्लब पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने यह भी बताया कि वह लोग गांवों में रहने कम पढ़े लिखे लोगों, युवाओं, बच्चों व बुजुर्गों के हिसाब से क्लब बनाकर संचालन करते थे। इनमें इन लोगों के दो क्लब सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण रहते थे। जिसमें पहला क्लब गृह कलीसिया के नाम से संचालित होता था। जिसमें गांव स्तर पर ईसाई धर्म को अपना लेने वाला युवक अपने घर में अस्थाई रूप से चर्च का संचालन कर प्रार्थना सभा कर लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाने व ईसाई धर्म की खूबियां गिनाकर उन्हें प्रभावित करता था। लोगों को झांसे में लेने के बाद उनका धर्म परिवर्तन करवाने का काम करते था। वहीं दूसरा समूह अवाना जोकि विशेष तौर पर बच्चों को धर्मांतरण करवाता था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों के ओर से वीडियो बाइबिल रीडिंग स्कूल, वोकेशनल सेंटर, प्रौढ़ शिक्षा केंद्र, सिलाई प्रशिक्षण केंद्र आदि का संचालन किया गया। यहां तक कि धर्मांतरण के बाद जिले में ईसाई धर्म में सबसे परिपक्व हो जाने वाले व्यक्ति को जिला स्तर का पादरी आदि भी घोषित कर देते थे। कन्नौज में हुई चूक से ली सीख, तत्परता से की कार्रवाई कन्नौज में धर्मांतरण गिरोह का भंडाफोड़ होने के बाद पुलिस ने अपनी लिखा-पढ़ी में चूक कर दी थी। कन्नौज में हुई किरकरी से पुलिस ने धर्मांतरण के मकड़जाल से निकलने के प्रयास में जुटे निबौली निवासी रामभरोसे की शिकायत पर गंभीरता दिखाई। पीड़ित ने पुलिस को आरोपियों की मदद के नाम पर प्रलोभन देने से लेकर धर्मांतरण आदि कराने का चिट्ठा खोला, तो पुलिस ने भी लिखा-पढ़ी में पीड़ित की सुरक्षा व आरोपियों पर कार्रवाई करने में कसर नहीं छोड़ी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर दर्ज की गई प्राथमिकी में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की धारा 3/5(1)/5(2)/5(3) लगाई है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक इस अधिनियम की धारा 3 किसी महिला, नाबालिग, अनुसूचित जाति के लोगों के साथ धोखाधड़ी कर धर्मांतरण कराने पर लगाई जाती है। इसमें करीब पांच साल की सजा हो सकती है। धारा 5(1) की जबरन धर्मांतरण को दर्शाती है। इसमें तीन साल तक की सजा का प्रावधान है। धारा 5(2) धर्मांतरण के लिए विदेशी फंडिंग को दर्शाती है। इसमें अधिकतम 14 साल की सजा व अर्थदंड का प्रावधान है। व्यापारिक गतिविधियों की तरह फैला रहे थे मकड़जाल व्यवसायिक कंपनियां व चिट फंड कंपनियां जिस प्रकार से एक चेन से लोगों को जोड़कर अपना कारोबार बढ़ाती हैं। कारोबार को एक नियत स्तर पर लाभ पहुंचाने पर संबंधित सदस्य को उपहार भी देती हैं। ठीक इसी तरह धर्मांतरण गिरोह के सदस्य भी अनुसूचित जाति के लोगों का धर्म परिवर्तन करवाने के लिए प्रयोग करते थे। पहले यह कुछ लोगों को मदद के नाम पर अपने झांसे में लेते थे। इसके बाद तय स्थान पर होने वाली प्रार्थना सभा में शामिल होने के 200 रुपये देते थे। ईसाई धर्म का प्रचार करने व धर्मांतरण करवाने वाले लोगों को कौशल संबंधी प्रशिक्षण देने के साथ छह से 10 हजार रुपये मासिक वेतन के रूप में देते थे। इसके बाद नए लोगों को जागरूक कर धर्मांतरण करवा देने पर भी उनको उपहार के रूप में तय धनराशि मुहैया करवाते थे। इसके साथ ही अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए भी खर्चा देते थे। सर्विलांस व साइबर टीम की मदद से मिले थे सुराग कन्नौज में धर्मांतरण गिरोह के सदस्य पन्नालाल से पूछताछ के बाद सक्रिय हुई कानपुर देहात की सर्विलांस व साइबर टीम ने पन्नालाल से फोन पर संपर्क करने वाले लोगों की जांच कर कड़ी से कड़ी जोड़कर बाढ़पुर स्थित धर्मांतरण गिरोह के सदस्यों के गिरेबान तक जा पहुंची। पुलिस अब इन आरोपियों के खातों में देश व विदेश से हुई फंडिंग आदि की जांच में जुटी है। कन्नौज के अलावा आसपास के जिलों में भी फैले हो सकते हैं तार पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि गिरोह के सदस्य प्रदेश व अन्य प्रांतों में होने वाले आयोजन में भी शामिल होने जाते थे। कन्नौज में पुलिस ने धर्मांतरण गिरोह का भंडाफोड़ किया था। मिजार्पुर में भी दिसंबर माह में धर्मांतरण के मामले सामने आए थे। पुलिस आरोपियों के बार्डर के जिले औरैया, जालौन, कानपुर नगर के साथ फतेहपुर, झांसी, चंदौली आदि स्थानों पर तार फैले होने को लेकर छानबीन में जुटी है। करीब एक माह से एसआईटी जुटा रही थी सुराग पुलिस को कन्नौज से इनपुट मिलने के बाद एसआईटी टीम काम कर रही थी। इसमें इंटेलीजेंट इनपुट भी जुटाए गए। इसके बाद यह पता चला कि अकबरपुर में धर्म परिवर्तन की एक्टिविटी हो रही है।

पुलिस ने नहीं की फायरिंग फिर भी बदमाश को लग गई गोली

मऊ। मऊ जिले में कोपागंज थाने की पुलिस को बदमाश भागने लगे। टीम पर फायरिंग भी की लेकिन अंधेरे में साथी की गोली से ही एक बदमाश घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे अस्पताल भेज दिया। मऊ के कोपागंज थाना क्षेत्र के अदरी पुलिस चौकी के पास बीती रात पुलिस को देख भाग रहे तीन बदमाश तमंचे से फायरिंग करने लगे। 15 हजार के इनामी बदमाश शिवानंद उर्फ शिवा को साथी के तमंचे से गोली लगी और लहुलूहान हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने बताया कि शनिवार की रात करीब 11 बजे पुलिस टीम अदरी पुलिस चौकी के पास वाहनों की चेकिंग रही थी। तभी तीन युवक एक बाइक पर आते दिखे। पुलिस ने रूकने का इशारा किया तो भागने लगे, इस दौरान तीनों ने तमंचा से पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में सरायलखंसी थाना क्षेत्र के अलीनगर निवासी शिवानंद उर्फ शिवा के कमर के नीचे उसी के साथी की गोली लग गई और वो पकड़ा गया। दो बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए उनकी तलाश की जा रही है। बताया कि शिवानंद कई आपराधिक मामलों में वांछित है, 15 हजार इनामी बदमाश है। पुलिस इसकी तलाश कर रही थी। घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन हालत गंभीर देख डॉक्टर ने बीएचयू ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

पुरवामीर का ठाकुरद्वारा मंदिर बना खंडहर

शंख की जगह अब छलकते हैं जाम

कानपुर। कानपुर। पुरवामीर गांव का प्राचीन ठाकुरद्वारा मंदिर अष्टधातु की मूर्तियां चोरी होने के बाद असामाजिक तत्वों का अड्डा बन गया है। देखरेख के अभाव में यह विशाल इमारत अब खंडहर में तब्दील हो रही है। कानपुर में नरवल तहसील के विकासखंड सरसौल के अंतर्गत आने वाले पुरवामीर गांव का प्राचीन ठाकुरद्वारा मंदिर आज अव्यवस्थाओं का शिकार होकर खंडहर में तब्दील होता जा रहा है। सैकड़ों वर्ष पहले निर्मित इस मंदिर में माता सीता, श्रीराम और लक्ष्मण जी की अष्टधातु की मूर्तियां विराजमान थीं। इनकी दिव्यता और ऊर्जा से मंदिर की भव्यता दूर-दूर तक प्रसिद्ध थी, लेकिन कालचक्र ने ऐसा करवट ली कि अज्ञात चोरों ने इन मूर्तियों की चोरी कर ली और यहीं से मंदिर के पतन की कहानी शुरू हुई। एक ओर सरकार मंदिरों की खोज और संवर्धन में जुटी है। वहीं, इदूसरी ओर इस विशालकाय मंदिर में दिनभर शराबियों और जुआरियों का जमावड़ा रहता है। असामाजिक तत्व मंदिर परिसर को अपना अड्डा बनाए हुए हैं। ग्रामीणों ने कई बार चंदा एकत्र कर मंदिर को संवारने का प्रयास किया, लेकिन सहयोग की कमी और परिस्थितियों के विपरीत होने के कारण हर बार प्रयास अधूरा रह गया। ग्रामीण बताते हैं कि यह मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है और इसकी इमारत आज भी मजबूत है, लेकिन देखरेख के अभाव में धीरे-धीरे यह खंडहर में बदल रहा है। सांस्कृतिक धरोहर को सहेजना हम सबका कर्तव्य यदि समय रहते इसकी देखरेख नहीं हुई, तो आने वाले समय में इस धरोहर को बचाना मुश्किल हो जाएगा ठाकुरद्वारा मंदिर कभी अपनी दिव्यता और भव्यता के कारण दूर-दूर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करता था। लेकिन अब उपेक्षा और असामाजिक गतिविधियों के कारण इसकी पहचान मिटती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इतने बड़े मंदिर की देखरेख और पुनर्निर्माण सरकार की मदद के बिना संभव नहीं है। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर है और इसे सहेजना हम सबका कर्तव्य है।

नपाध्यक्ष ने रैन बसेरों व अलाव का किया निरीक्षण

बस्ती। कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने रैन बसेरों और अलाव व्यवस्था की हकीकत जांचने के लिए निरीक्षण किया। उन्होंने संचालित स्थाई और अस्थाई रैन बसेरों की स्थिति जांची और प्रमुख चौराहों पर जल रहे अलाव का जायजा लिया। उन्होंने सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। कहा कि नगरवासियों और बाहर से आने वाले यात्रियों की सेवा और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। भाजपा नेता अंकुर वर्मा, अश्विनी श्रीवास्तव, पार्थ श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव मौजूद रहे।

दो किशोरियों ने बानपुर पुल से कुआनो में लगाई छलांग

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की दो किशोरियों ने शनिवार की शाम करीब छह बजे बानपुर पुल से कुआनो नदी में छलांग लगा दी। यह देखकर पुल पर भीड़ जुट गई। आनन-फानन भीषण ठंड की परवाह न करते हुए कुछ ग्रामीणों ने नदी में छलांग लगाकर दोनों को बचा है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बेहद नजदीकी थी। इससे दोनों के परिवार वाले खुश नहीं थे। जानकारी के अनुसार, एक गांव की रहने वाली दोनों किशोरियां टहलते हुए शाम को बानपुर पुल पर पहुंचीं। कुछ देर आपस में बातचीत करती रहीं। इसके बाद हाथ पकड़कर कुआनो नदी में छलांग लगा दी। पुल पर खड़े लोग यह सब दूर से देख रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों किशोरियों को रोकने की कोशिश की गई, मगर वह नहीं मानी और नदी में छलांग लगा दी। हादसे की सूचना पाकर लालगंज पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। एंबुलेंस से दोनों को सीएचसी भेजवाया गया।लालगंज के थानेदार संजय कुमार ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद 16 वर्षीय किशोरी को घट भेज दिया गया, जबकि 17 वर्षीय किशोरी का गायघाट के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

शतरंज प्रतियोगिता महिला एवं पुरुष वर्ग में आयोजित की गई

गोरखपुर,: ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय, गोरखपुर में 02 से 11 जनवरी, 2026 तक द्वितीय खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। खेल महोत्सव में विभिन्न वर्गों हेतु सीमित ओवर के टी-8 क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसके साथ ही ह्यखेल महोत्सवह्व के समापन अवसर 11 जनवरी, 2026 को ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय के कर्मचारियों के लिये विभिन्न मनोरंजक खेल प्रतियोगितायें आयोजित की गई, जिसमें तीन टांग की दौड़, बोरा दौड़ (सैक रेस), नींबू-चम्मच दौड़, म्यूजिकल चेयर, रस्साकशी एवं सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ० ए.ए. खान ने पुरस्कृत कर सम्मानित किया। सीमित ओवर के टी-8 क्रिकेट प्रतियोगिता में 06 टीमों ने भाग लिया, जिसके फाइनल मैच में डॉ० सुधांशु के नेतृत्व में टीम राइजिंग सन ने टीम राइजिंग वारियर्स को हरा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष डबल्स एवं मिक्स्ड डबल्स कुल चार वर्गों में आयोजित हुई। पुरुष एकल में डॉ० फहीम अहमद ने प्रथम, प्रिंस विंसेट ने द्वितीय एवं रनवेश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष डबल्स में डॉ० फहीम अहमद एवं मुश्ताक ने प्रथम, डॉ० कौशल एवं डॉ० अनुज ने द्वितीय तथा प्रिंस विंसेट एवं अश्वनी कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला एकल में अनीषा, प्रथम, डॉ० अनीता शर्मा, द्वितीय एवं श्वेता भारती, तृतीय स्थान पर रहीं। मिक्स्ड डबल्स में डॉ० फहीम अहमद एवं डॉ० अनीता ने पहला, ज्योति एवं उपेन्द्र ने दूसरा तथा डॉ० अनुज एवं अनुषा ने तीसरा स्थान हासिल किया। कैरम प्रतियोगिता पुरुष डबल्स, महिला डबल्स एवं मिक्स्ड डबल्स कुल तीन वर्गों में आयोजित की गई। पुरुष डबल्स में कुशल एवं दीपांकर ने प्रथम तथा बुलेट एवं सनोज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिला डबल्स में शर्मिला सिंह एवं सीमा पटेल ने प्रथम तथा श्रीमती रीता पाल एवं रागिनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मिक्स्ड डबल्स में डॉ० अनीता शर्मा एवं डॉ० अहमद ने पहला तथा अश्विनी पांडेय एवं अनुपम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। शतरंज प्रतियोगिता महिला एवं पुरुष वर्ग में आयोजित की गई, जिसमें महिला वर्ग में महक ने पहला तथा श्रीमती शर्मिला सिंह ने दूसरा स्थान अर्जित किया। पुरुष वर्ग में डॉ० आदित्य, प्रथम तथा रनवेश कुमार, दूसरे स्थान पर रहें।

केरल की महिलाओं ने बादशाहत कायम रखी जीता गोल्ड

वाराणसी। वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में आयोजन नेशनल सीनियर वॉलीबॉल चैंपियनशिप में

केरल की टीम को जीत मिली। आज इसका समापन भी होगा। राज्य के दोनों डिप्टी सीएम खिलाड़ियों को बधाई देंगे। केरल ने गोल्ड मेडल जीता है। वहीं, रेलवे को सिल्वर मेडल मिला। महिला वर्ग फाइनल में केरला ने रेलवे को 3-2 (22-25,25-20,25-15,22-25,15-8) से हराकर महिला वर्ग की चैंपियन बनी। महिला वर्ग के हार्डलाइन मैच में राजस्थान ने हरियाणा को 3-1(25-14,25-12,20-25,25-14) से हराकर तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग हार्ड लाइन मैच में पंजाब ने सर्विसेज को 3-0 (25-21, 25-23,25-18) से हराकर तीसरे स्थान पर रही। बता दें कि शनिवार को ही सिगरा स्टेडियम के इंडोर कोर्ट पर खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय रेलवे की टीम चिर-प्रतिद्वंद्वी राजस्थान को 3-1 से शिकस्त दे खिताबी दहलीज पर पहुंच गई। उधर, पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइनल में रेलवे ने सर्विसेज को कांटे की टक्कर में 3-2 से हरा फाइनल का टिकट हासिल किया। इस जीत के साथ ही रेलवे की टीम दोहरे खिताब की दहलीज पर पहुंच गई है। उधर, अंतिम सेमीफाइनल मुकाबले में केरल ने पंजाब को सीधे सेट में 3-0 से हरा फाइनल में प्रवेश किया। अब रेलवे और केरल की महिला-पुरुष टीमों के पास दोहरा खिताब हासिल करने का मौका है। महिला वर्ग के पहले सेमीफाइनल में मैच की शुरूआत से ही केरल की टीम ने आक्रामक रुख अपनाया। केरल की अटैकर अनाघा आर. ने पूरे मैच के दौरान अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों की वाहवाही लूटी। उनके दमदार स्मैश और सटीक सर्विस का हरियाणा के पास कोई जवाब नहीं था। खेल के पहले दो सेट केरल ने 25-19 और 25-21 से आसानी से अपने नाम किए। तीसरा सेट इस चैंपियनशिप के सबसे यादगार सेटों में से एक रहा। हार की कगार पर खड़ी हरियाणा की टीम ने पलटवार किया और स्कोर को बराबरी पर ला खड़ा किया। हरियाणा की ओर से निशा और पूजा ने जोरदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में केरल की अन्न मैथ्यू, एंजल थॉमस और एनवी जैकब के अनुभव ने मैच केरल के पक्ष में मोड़ दिया। केरल ने यह सेट जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। उधर, हरियाणा की लिबेरो सविता और तनु राठी ने अपनी टीम के लिए अहम अंक जुटाए। रेलवे की रफ़्तार के आगे थमा राजस्थान दूसरे सेमीफाइनल में रेलवे की टीम ने राजस्थान के खिलाफ अपनी बादशाहत कायम रखी। बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहे इस मुकाबले में रेलवे ने राजस्थान को 3-1 से शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। रेलवे ने मैच की आक्रामक शुरूआत करते हुए पहले दो सेट बड़े अंतर से जीते। तीसरे सेट में राजस्थान ने जबरदस्त वापसी की और सेट जीतकर मैच को रोमांचक बना दिया। लेकिन चौथे सेट में रेलवे ने फिर से लय हासिल की और जीत दर्ज कर मैच अपने नाम कर लिया।

वृद्ध किसान को बंधक बनाकर चार भैंसें लूटीं तमंचे के बल पर मफलर से बांधा

कानपुर। तिवारीपुर में वृद्ध किसान को मफलर से बांधकर चार भैंसें लूट ली गईं। ग्रामीणों ने पीछा कर दो भैंसें बचा लीं, जबकि किसान की पहचान पर पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के तिवारीपुर गांव में बीती रात चार से पांच अज्ञात बदमाशों ने खेतों में रह रहे वृद्ध किसान शिवनारायण उर्फ बाबा को बंधक बना लिया। इसके बाद उनकी चार भैंस खोल ले गए। बदमाशों ने किसान को उसके ही मफलर से बांधकर तमंचा दिखाया और मारपीट करते हुए चारपाई पर जकड़ दिया। इसके बाद पशुओं को करीब दो सौ मीटर दूर वन विभाग के जंगल की ओर ले जाने लगे तभी किसान ने शोर मचाया। आवाज सुनकर पास की पानी की टंकी पर चौकीदारी कर रहे भाई मंगल पहुंचे और शिवनारायण को खोलकर ग्रामीणों को जगाया शोर सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हुए, तो बदमाश दो भैंसों को लेकर मौके से भाग निकले। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और रातभर तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। करीब तीन घंटे बाद ग्रामीणों ने वन विभाग में खोजबीन की, तो दो भैंस बंधे हुए पैरों के साथ मिलीं, जबकि दो भैंस अब भी गायब हैं। तहरीर और जांच के आधार पर होगी अग्रिम कार्रवाई किसान ने बताया कि घटना से एक दिन पूर्व पास के गांव सुनहैला के दो युवक बहाने से उनके पास पहुंचे थे और जबरन शराब पिलाने की बात कर रहे थे। वही युवक रात में बदमाशों के साथ शामिल थे। ग्रामीणों ने दोनों संदिग्ध युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। महाराजपुर थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि किसान द्वारा बताए गए संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। तहरीर और जांच के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

सड़क किनारे घायल मिला बाइक सवार

वाल्टरगंज। थाना क्षेत्र के बस्ती-बांसी मार्ग के बीआरसी पुर्सिया के पास शनिवार को सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल एक युवक मिला। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के बानगढ़ गांव निवासी शिवकुमार (25) बीआरसी पुर्सिया के पास की सड़क पर गंभीर रूप से घायल पड़ा था। उसके मुहं से खून निकल रहा था और दोनों हाथों में कटे के निशान थे। करीब 50 फिट दूर एक बाइक खड़ी थी। सूचना पर पहुंची वाल्टरगंज पुलिस ने उसे जिला अस्पताल भेजवाया।

एसडीओ की तहरीर पर युवक पर प्राथमिकी दर्ज

कप्तानगंज (बस्ती)। एसडीओ की तहरीर पर कप्तानगंज पुलिस ने एक युवक पर प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में पहले युवक ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। थाना क्षेत्र के पढ़नी गांव शिव गोपाल शुक्ला सरयू नहर खंड-तीन गोंडा में एसडीओ पद पर तैनात हैं। सरयू नहर खंड के चेतरा माइनर, गनेशपुर एक टेकवा और परसपुरा माइनर में सिल्ट सफाई का काम चल रहा था। एसडीओ आरोप है कि 30 दिसंबर 2025 को कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भरवलिया गांव निवासी एक युवक ने सिल्ट सफाई का वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए फोन पर गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने सात जनवरी को एसपी से मिलकर शिकायती पत्र दिया था। एसपी के निर्देश पर पुलिस ने एसडीओ शिव गोपाल शुक्ला की तहरीर पर भरवलिया निवासी रत्नेश्वर मिश्रा पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। इस मामले में छह जनवरी को रत्नेश्वर मिश्रा ने एसडीओ पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। एसओ आलोक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

प्रायोगिक परीक्षाओं की तैयारी तेज

बस्ती। यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट प्रयोगात्मक परीक्षा 24 जनवरी से प्रारंभ हो जाएगी। इसके लिए विद्यालयवार तैयारियां शुरू कर दी गई है। इस बार प्रायोगिक परीक्षा भी सख्ती के साथ कराई जाएगी। बाहर के एग्जामनर के अलावा सचल दल भी परीक्षा की निगरानी के लिए लगाया जाएगा। विद्यालयों में प्रेक्टिकल कॉपियां शिक्षकों की देखरेख बच्चे तैयार करना शुरू कर दिए हैं। कुछ स्कूलों में विद्यार्थियों ने इसे अंतिम रूप भी दे दिया है। अगले सप्ताह इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को प्रयोग करने के लिए लैब उपलब्ध कराया जाएगा। डीआईओएस संजय सिंह ने सभी प्रधानाचार्य और प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि समय से पहले विद्यार्थियों के प्रायोगिक परीक्षाओं की तैयारियां पूरी करा दी जाए। इस बार इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षा की कॉपियों को एक साल तक सुरक्षित रखा जाएगा। इस बार बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के 74158 विद्यार्थी शामिल होंगे। हाईस्कूल में 19,014 बालक और 19,930 बालिका, मिलाकर कुल 39,944 परीक्षार्थी है।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

महराजगंज (बस्ती)। हरैर्या थाना क्षेत्र के बस्ती-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार की रात करीब नौ बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस युवक के शव की शिनाख्त कराने में जुटी है, मगर समाचार लिखते वक्त तक पहचान नहीं हो पाई थी। हादसे की सूचना मिलते ही हरैर्या पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के समय क्षेत्र में अत्यधिक कोहरा छाया हुआ था। इससे दृश्यता काफी कम हो गई थी। कोहरे के कारण वाहन चालकों को सामने से आ रहे वाहन का सही से आकलन नहीं हो पा रहा है। प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। अज्ञात वाहन की तलाश के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है।

कोर्ट के आदेश पर ट्रक चोरी की प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। सोनहा थान क्षेत्र के नरखोरिया बाजार से ट्रक चोरी हो गया। घटना 28 मई 2023 की है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार की देर शाम को प्राथमिकी दर्ज की है। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के पुरैना निवासी योगेंद्र चौधरी ने पुलिस को तहरीर देकर वह अपने ट्रक लेकी सिद्धार्थनगर जा रहा था। नरखोरिया बाजार के पास ट्रक सड़क के किनारे खड़ा कर डुमरियागंज बाजार से डीजल पाइप खरीदने चला गया। लौटकर आया तो ट्रक नहीं था। विवेचक जितेंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर चोरों का पता लगाया जा रहा है।

आज बंद रहेगी वाल्टरगंज बाजार की रेलवे क्रॉसिंग

गौर। गोविंद नगर रेलवे स्टेशन के पास स्थित गेट संख्या 202 ए रेलवे मरम्मत कार्य के चलते रविवार की सुबह 10 से शाम पांच बजे तक छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बाधित रहेगा। रेलवे की ओर से मरम्मत कार्य को लेकर पहले से तैयारी की गई है। पूर्वोत्तर रेलवे के गोविंद नगर रेलवे स्टेशन के पूरब वॉल्टरगंज बाजार के पास गेट संख्या 202 ए पर रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग की ओर से मरम्मत कार्य के साथ स्लीपर पटरी बदल जाएग। जिसके चलते इस मार्ग से आने-जाने वाले सभी वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से बंद रहेगा। गौर-टिनिच-वॉटरगंज मार्ग से आने वाले लोगों को भिटिया चौराहा मनौरी के रास्ते आना होगा। जबकि बस्ती से हरदिया चौराहे से वॉटरगंज की तरफ जाने वाले वाहनों को मनौरी के रास्ते जाना होगा। चीफ पीडब्ल्यूआई रेलवे बस्ती इनामुलहक ने बताया कि गोविंद नगर रेलवे स्टेशन के पास गेट संख्या 202 ए पर मरम्मत कार्य के साथ स्लीपर बदल जाएग। इसके चलते सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक गेट पर आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा।

खंभा गाड़ने का विरोध करने पर मारपीट

बनकटी। लालगंज थाना क्षेत्र के कैथौरा गांव में बिजली का खंभा स्थापित करने को लेकर शनिवार को बेटी के साथ अकेली रह रही महिला समेत पड़ोस की दो बेटियों तथा दंपती की पिटाई कर दी गई। लालगंज पुलिस को तहरीर देकर शशिलता पत्नी यशोनंद ने बताया कि शनिवार की सुबह बनकटी द्वारा विद्युतीकरण का काम कराया जा रहा था। इस दौरान पटीदार घनश्याम जबरदस्ती खंभा खड़ंजे पर लगवा रहे थे। विरोध करने पर डंडे से मारना शुरू कर दिया। बीच बचाव करने पहुंचे पड़ोसी ब्रह्मानंद व उनकी पत्नी सत्यभामा तथा दो बेटियों रिया और खुशी को भी लात-घूसे व डंडे से मारकर घायल कर दिया।

हादसे में दुकानदार की मौत के मामले प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र में पांच जनवरी को हुई सड़क दुर्घटना में एक शख्स की मौत हो गई थी। पुलिस ने शनिवार को अज्ञात वाहन चालक पर प्राथमिकी दर्ज की है। हादसा बनकटी ब्लॉक से करीब एक किमी दूर हुआ था। बताया गया कि राम ललित (55) अपनी दुकान से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन के चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इलाज के दौरान आठ जनवरी की रात करीब 10 बजे उनकी मौत हो गई थी।

मुंबई इंडियंस के सामने नई परेशानी इन-फॉर्म रिकेल्टन या डि कॉक

मुंबई। 20 में रैयान रिकेल्टन और क्विंटन डि कॉक की शानदार फॉर्म ने मुंबई इंडियंस के लिए नया ओपनिंग पजल तैयार कर दिया है। रिकेल्टन के दो शतक और डि कॉक की स्थिर बल्लेबाजी, दोनों रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग के प्रबल दावेदार हैं। टीम मैनेजमेंट को बहुत 2026 से पहले बड़ा फैसला लेना होगा। आईपीएल 2026 करीब है और मुंबई इंडियंस (टक) के फैंस के दिमाग में एक बड़ा सवाल दौड़ रहा है कि रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग कौन करेगा? दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग एसए20 2025-26 में दो नाम लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं, रेयान रिकेल्टन और क्विंटन डि कॉक। दोनों की जबरदस्त फॉर्म ने मुंबई के टीम मैनेजमेंट के लिए एक नई सिरदर्दी पैदा कर दी है। रिकेल्टन के आंकड़े शानदार एसए20 में एमआई केप टाउन की ओर से खेल रहे रिकेल्टन ने ऐसे नंबर दागे हैं जो किसी भी ओपनर को प्रीमियम बना दें। उन्होंने इस लीग में अब तक छह पारियों में 63.40 की औसत और 172.28 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए हैं।

केन्द्र और राज्य कर्मी पुरानी पेंशन बहाली के लिए एकमत

प्रतिवर्षानुसार राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का खिचड़ी भोज

लखनऊ,(संवाददाता)। पूर्व वर्षानुसार इस वर्ष भी डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन प्रागण में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा नववर्ष एवं खिचड़ी भोज का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इं. अमरनाथ यादव और मुख्य अतिथि शिवगोपाल मिश्रा, विशिष्ठ अतिथि इं. हरि किशोर तिवारी द्वारा की गई। कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य कर्मचारी संगठनों के सैकड़ों पदाधिकारियों ने भागीदारी दर्ज कराते हुए अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम के संयोंजक कार्यवाहक अध्यक्ष इं. एन.डी. द्विवेदी ने सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए सभी संगठनों को एकजुट होकर आन्दोलन के प्रति अपनी प्रतिबंधता जताई। उन्होंने बताया कि नार्दन मेन्स यूनियन के महासचिव कामरेड़ शिवगोपाल मिश्रा चूकि ऑठवे वेतन आयोग एवं पुरानी पेंशन की उच्च स्तरीय केन्द्र सरकार द्वारा बनाई गई कमेटियों में पक्ष रखकर निर्णय कराते है। इस अवसर पर सभी ने एकजुट होकर पुरानी पेशन बहाली पर एकमत विचार प्रस्तुत करते हुए पुरानी पेंशन बहाली पर जोर दिया। खिचडी भोज में उपस्थिति विभिन्न केन्द्र एवं राज्य कार्मिक संगठनों के नेताओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि नार्दन मेन्स यूनियन के महासचिव कामरेड़ शिवगोपाल मिश्रा ने कहा कि आठवा वेतन आयोग को लाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, कुछ अधिकारी नही चाहते थे कि इसे लाया जाए। इसकी शुरूआत पिछले वर्ष इसी खिचडी भोज में तय की गई थी। उसी के अनुरूप पत्राचार और आन्दोलनों की तैयारी से केन्द्र सरकार को अवगत कराते हुए वार्ता क्रम जारी हुआ और उसके परिणाम स्वरूप वेतन आयोग आया। अब कम से कम 9वें और 10वे वेतन आयोग का रास्ता साफ हो गया है। इस प्रकार पिछले 12 वर्षों तक पुरानी पेंशन बहाली पर विशेष कर आप लोगों ने लखनऊ से दिल्ली साइकिल यात्रा से लेकर कई बार लाखों की संख्या में रैली, धरना प्रदर्शन, मशाल जुलूस आदि के माध्यम से विरोध प्रदर्शन ध्यानाकर्षण तथा फिर 2023 में हमारे केन्द्रीय कर्मचारियों के साथ इसी प्रकार के कई और बड़े आन्दोलन तथा दिल्ली के रामलीला मैदान को भरकर लाखों की संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई जिसके परिणाम स्वरूप पुरानी पेंशन के लिए कमेटी बनाकर वार्ता शुरू हुई। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ तथ्यों के आधार पर यूपीएस मोडल जिसमें पुरनी पेंशन की भॉति अन्तिम वेतन का 50 प्रतिशत था उस पर महंगाई भत्ता देय होगा। इसी प्रकार पारिवारिक पेंशन व्यवस्था भी पूर्व से अच्छी हुई है। कुछ कमियॉ दिख रही है उस पर कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर इं. हरिकिशोर तिवारी अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कहा कि हमें हमारे हक अपने आप समय से नही मिलते उन्हें एकजुटतापूर्ण आन्दोलन से ही प्राप्त किया जा सकता है। कार्यवाहक अध्यक्ष इं. एन.डी. द्विवेदी ने कहा कि चुनावी वर्षों में आन्दोलन के दबाव में कुछ कर्मचारी हितों को हासिल किया जा सकता है। प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पाण्डेय ने कहा कि कार्मिकों को जो पूर्वजों से मिला हुआ है उसे बचाने के लिए आन्दोलन करना पड़ रहा है। कार्यक्रम को आयकर के रविन्द्र सिंह, एआईआरएफ के का. एस.यू. शाह, विभूति मिश्रा, इं. शिवशंकर मिश्रा, कामरेड आर.के.पाण्डेय रेलवे, राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय,इं. एस.पी. मिश्रा, इं. श्रीप्रकाश गुप्ता, अशोक तिवारी, इं.क्षमा नाथ दुबे, पी.के. शर्मा,सुशील कुमार त्रिपाठी, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अतिरिक्त महामंत्री डा. नरेश, यदुवीर सिंह यादव, विजय कुमार त्रिपाठी, संतोष तिवारी, एस.सी. दीक्षित, इं. एच.एन. मिश्रा, चालक संघ के सुभाष मिश्रा, अखिल भारतीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के महासचिव सुरेश सिंह यादव, इं. राजेश वर्मा, इं. दिवाकर राय, इं. सुशील परिहार ,फहीम अख्तर कृषि विभाग,इं. श्रवण कुमार, सुशील कुमार बच्चा, लोनिवि आउटसोर्सिंग चालक संघ के अनिल सिंह और राहुल सिंह सहित कई वरिष्ठ कर्मचारी नेताओं ने अपने विचार रखें।

समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में आयोजित पीडिए साक्षी संगम

बाटी-चोखा एवं तहरी भोज कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ मे आज समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में आयोजित पीडीए साक्षी संगम, बाटी-चोखा एवं तहरी भोज कार्यक्रम का आयोजन उत्तरी विधान सभा के मड़ियांव के एक लॉन में किया गया जिसमे में सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक,एवं क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में बतौर अतिथि नगर अध्यक्ष फाकिर सिद्दीकी,राजेंद्र चौधरी,मधु गुप्ता सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन स्थल पर उत्साह, एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती का स्पष्ट संदेश देखने को मिला।

कार्यक्रम के आयोजक मुकेश शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम किसी कारणवश मतदाता सूची से कट गए हैं या जुड़ने से रह गए हैं, उनके नाम पुनः जुड़वाने का अभियान तेज किया जाएगा, ताकि हर समर्थक का मत सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएगी और अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पीडीए की एकता, सामाजिक समरसता और जनसरोकारों पर आधारित राजनीति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक एवं समर्थक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

ताजा खबर...

पौष पूर्णिमा तो झांकी है, भव्यता अभी बाकी है

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज माघ मेला-26 को लेकर अपना विजन स्पष्ट कर दिया है। पौष पूर्णिमा के पहले सफल स्नान के बाद मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया है कि आने वाले सभी प्रमुख स्नान पर्व इसी तरह की दिव्यता और सुरक्षा के साथ संपन्न होंगे। पौष पूर्णिमा सफल शुरूआत मुख्यमंत्री ने कहा कि पौष पूर्णिमा के अवसर पर जिस तरह का उत्साह और व्यवस्था देखने को मिली है, वह पूरे मेले के लिए एक मानक है। यह तो शुरूआत है, मेले के आने वाले मुख्य स्नान जैसे मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी इससे अधिक भव्य, सुव्यवस्थित होंगे।सीएम योगी का संकल्प,सरकार का लक्ष्य माघ मेले के हर स्नान को कुंभ जैसी दिव्यता है। संगम तट पर बुनियादी सुविधाओं से लेकर लाइटिंग और सौंदर्यकरण तक पर विशेष जोर दिया गया है। सीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक नहीं होनी चाहिए। एआई तकनीक, सीसीटीवी और भारी पुलिस बल के साथ पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। भक्तों के लिए कल्पवास, पेयजल, स्वच्छता और परिवहन के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि किसी को भी असुविधा न हो। स्वच्छ कुंभ, सुरक्षित कुंभश की तर्ज पर इस बार माघ मेले में सफाई व्यवस्था के लिए हजारों कर्मियों को तैनात किया गया है।

लाल बहादुर शास्त्री का जय जवान जय किसान का नारा प्रेरणास्त्रोत: केशव

लखनऊ,(संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री का संपूर्ण जीवन देश की सेवा, नैतिक मूल्य और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को समर्पित रहा उनका जय जवान जय किसान का उद्घोष आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। शास्त्री जी की आदर्श सादगी और कर्तव्य निष्ठा वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेगा। ह्लजय जवान, जय किसानह्व का नारा देने वाले शास्त्री जी ने आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की जो परिकल्पना की थी, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उसी के अनुरूप देश किसान कल्याण राष्ट्रीय सुरक्षा आत्मनिर्भरता और समग्र विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह शास्त्री जी के सपनों के भारत को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

रोड एक्सीडेंट में मैनेजर की मौत

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर इलाके में बीती रात एक कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार कि कार पलट गई। कार सवार 4 लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान दीपक बिष्ट के रूप में हुई। वह एजुकेशन टेक कंपनी में मैनेजर के पद पर तैनात था। 4 बहनों में इकलौता भाई था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। रामपुर सिविल लाइंस निवासी दीपक बिष्ट लखनऊ में रहते थे। वह गोमती नगर की एजुकेशन टेक कंपनी में मैनेजर के पद पर तैनात थे। शनिवार देर रात वह अपने साथी को छोड़ कर आलमबाग बस अड्डे से वापस आ रहे थे। इस दौरान उनकी कर लोहिया चौराहे पर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी पलट गई। उसके शीशे टूट गए और दोनों एयरबैग खुल गए। कार सवार 4 लोग बुरी तरीके से घायल हो गए। इसमें दीपक बिष्ट ने लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दीपक के साथ कार में प्रतीक बिंद, शिवम चौरसिया और अनुराग भी सवार थे। यह तीनों भी बुरी तरीके से घायल है, जिनका इलाज लोहिया संस्थान की इमरजेंसी में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से हादसे के कारण की जांच कर रही है। हालांकि, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा कार बेकाबू हो जाने के बाद डिवाइडर से टकराने के कारण हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

साइकिल सवार के ऊपर चढ़ते हुई पलटी कार,मौत

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी के मोहलालगंज इलाके में एक बेकाबू कार साइकिल सवार पर चढ़ते हुए पलट गई। इस दौरान कार का टायर भी फट गया। इस हादसे में साइकिल सवार शख्स की कार के नीचे दबने से मौत हो गई। वह काम पर जा रहा था। इस हादसे में कार ड्राइवर सकुशल बच गया। वह मौके से भाग निकला। यह दुर्घटना रविवार सुबह करीब 7.30 बजे फत्तेखेड़ा गांव के पास हुई। फत्तेखेड़ा मजरा कनकहा निवासी रामबरन (40) पुत्र शिवकुमार शिवराम अपने घर से मजदूरी के लिए साइकिल से निकले वह इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से बेकाबू कार उनके ऊपर चढ़ते हुए पलट गई। सूचना मिलने पर मोहनलालगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस की मदद से घायल रामबरन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार नंबर यूपी 70 जीएल 2048 का टायर फटने से कार अनियंत्रित हो गई और साइकिल सवार को टक्कर मारने के बाद पलट गई। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और फरार चालक की तलाश जारी है।

समरस मैराथन में दौड़े युवा, मंत्री जयवीर ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रविवार को कुड़िया घाट ग्रीन कॉरिडोर पर राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर अभ्युदय यूथ क्लब द्वारा समरस मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। 5 किलोमीटर लंबी इस मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वास्थ्य एवं एकता का संदेश दिया। मैराथन को उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि दौड़ना स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक होता है। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में दौड़ने से शरीर के अंदर ऊर्जा का संचार होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया फिट इंडिया अभियान देश के युवाओं को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह मैराथन उसी अभियान का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को नियमित रूप से व्यायाम और खेलकूद के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि सभी युवाओं को सुबह दौड़ना चाहिए, रूटीन में एक्सरसाइज करना चाहिए और स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए। जयवीर सिंह ने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। आज के तनावपूर्ण जीवन में दौड़, योग और व्यायाम युवाओं को न केवल शारीरिक रूप से फिट रखते हैं बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं।

अखिलेश यादव ने किया सवाल-किस एसआईआर को सही माना जाए

केंद्रीय निर्वाचन आयोग का या राज्य निर्वाचन का

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव की वोटर लिस्ट का एसआईआर केंद्रीय चुनाव आयोग ने कराया, जबकि पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट का एसआईआर राज्य चुनाव आयोग द्वारा कराया गया। उन्होंने पूछा है कि जब दोनों आंकड़े एक साथ सही नहीं हो सकते तो फिर कौन सा एसआईआर सही है। रविवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि दोनों ही एसआईआर प्रक्रिया में हर जगह एक ही बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) लगाए गए, इसके बावजूद दोनों के आंकड़ों में बड़ा विरोधाभास सामने आया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा एसआईआर के बाद पूरे प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 2.89 करोड़ कम होकर 12.56 करोड़ रह गई, जबकि पंचायत एसआईआर के बाद ग्रामीण मतदाताओं की संख्या 40 लाख बढ़कर 12.69 करोड़ हो गई। उन्होंने कहा कि ये दोनों आंकड़े एक साथ सही नहीं हो सकते। अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग से सीधा सवाल पूछा कि दोनों में कौन सा एसआईआर सही है और अगर एक ही प्रदेश में एक ही बीएलओ के जरिए किए गए एसआईआर में इतने विरोधाभासी आंकड़े सामने आ रहे हैं तो यह गंभीर चिंता का विषय है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा के दबाव में काम कर रहा है और वोटर लिस्ट के नाम पर मताधिकार से वंचित करने की साजिश की जा रही है।

3 चोरों को आधी रात लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा, सीसीटीवी

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में रात करीब 3 बजे चोरी करने कॉलोनी में घुसे 3 चोरों को लोगों ने पकड़ लिया। तीनों अपाचे बाइक से आए थे। बाइक सड़क पर खड़ी कर एक घर के बाहर रेकी कर ताला तोड़ने लगे। यह सब सामने वाले घर में लगे सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो रहा था। उस घर का कोई रात में जागा तो उसने स्क्रीन पर सामने वाले घर के आगे खड़े कुछ लोगों को देखा। उसकी नींद पूरी तरह से टूट गई। शोर मचाने से पहले उसने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस भी अलर्ट हो गई। स्थानीय थाने से फोन आया और उस व्यक्ति से पूरी डिटेल ली गई। पुलिस वालों ने कहा कि आपको शोरगुल नहीं मचाना। पुलिस इस रास्ते से आएगी। आप लोग जस्ट अपोजिट साइड सड़क पर घेर लीजिए ताकि चोर भागने न पाएं। बस फिर क्या था, लोगों ने ऐसा ही किया और तीनों चोर वहीं पकड़े गए। घटना सरोजनी नगर थाना क्षेत्र की एलडीए कॉलोनी, सेक्टर-एफ की है। 10 जनवरी की रात 2.40 बजे के करीब चोर पहुंचे। बाइक खड़ी कर रेकी करने लगे। जब तक पुलिसवाले आते तब तक चोर वहां से निकल चुके थे। वे आगे गए ही होंगे कि सामने से पुलिस आती दिखी। वे तुरंत वापस लौटे लेकिन इधर कॉलोनी वाले इंतजार ही कर रहे थे। शोर मचाकर उनकी तरफ दौड़े तो चोरों की बाइक भी गिर गई और वे पकड़े गए। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनके आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। चोरों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। इस कार्रवाई के बाद कॉलोनी में लोगों ने राहत की सांस ली। लोगों की सूचना के कुछ ही देर में सरोजनी नगर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और कॉलोनीवासियों ने तीनों चोरों को पकड़ लिया। पुलिस अपनी जीप में बैठाकर थाने ले गई। तलाशी के दौरान उनके पास से दो तमंचे बरामद किए गए हैं। तीनों चोर घर का ताला तोड़ रहे थे। घर पर कोई नहीं था जिससे उसमें बाहर से ताला लटक रहा था। सरोजनी नगर थाना पुलिस ने बयान जारी कर बताया है कि इन 3 चोरों में से 2 की हिस्ट्रीशीट है। 2 चोर लखनऊ के ही हैं। इनमें अभिषेक सिंह उर्फ प्रदीप सिंह पुत्र पप्पू सिंह मोतीझील कॉलोनी ऐशबाग का और अमन यादव उर्फ सत्यम पुत्र सुनील यादव राजाजीपुरम ई-ब्लॉक का रहने वाला है। अभिषेक पर लखनऊ के थानों में 8 और अमन पर 10 मुकदमे दर्ज हैं। तीसरा चोर शिवम यादव पुत्र अखिलेश यादव हरदोई के अंटुआ नूरपुर हथौड़ा थाना बिलग्राम का है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो तमंचे (0.315 बोर), तीन कारतूस और चोरी की अपाचे बाइक जब्त की है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना सरोजनी नगर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आप का बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ में आम आदमी पार्टी (आप) ने बांग्लादेश के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी नारेबाजी की। बांग्लादेश का पुतला फूंक दिया। पैरों तले कुचल दिया। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सभी आप कार्यकताओं को गाड़ी में ठूंस दिया और इको गार्डन भेज दिया। आप कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदुओं को मारा जा रहा है और यहां सरकार शेख हसीना को बैठाकर बिरयानी खिला रही है। मांग की कि शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेज देना चाहिए। प्रदर्शन रविवार दोपहर कैसरबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे पर किया गया। पुलिस ने माहौल शांत कर दिया। आम आदमी पार्टी की जिला अध्यक्ष इरम ने कहा कि यह बहुत अफसोस की बात है कि बांग्लादेश में लंबे समय से हिंदू समुदाय पर अत्याचार हो रहा है। वहां पर हिंदू मारे जा रहे हैं और हमारे प्रधानमंत्री मौन बैठे हैं। जिस तरीके से हिंदू भाइयों का खून बहाया जा रहा है क्या उनका खून इतना सस्ता हो गया कि कोई भी उस पर आवाज ना उठाए। मौजूदा सरकार उद्योगपतियों का मुनाफा करवा रही है इसलिए बांग्लादेश के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। देश की जनता यह जानना चाहती है क्या यह हिंदू सिर्फ सत्ता हासिल करने के लिए बना है। यह सरकार न हिंदुओं की है, न मुसलमानों की। ये लोग अपनी कुर्सी के लिए कुछ भी कर सकते हैं। 1 साल से ज्यादा हो गया बांग्लादेश में लगातार अत्याचार हो रहा है और सरकार मौन बैठी है। इस सरकार में न देश के बाहर हिंदू सुरक्षित है और न यूआर देश के अंदर महिलाएं सुरक्षित हैं। मेरठ में एक दलित महिला को उठा ले गए और उसकी मां की हत्या कर दी। इस मुद्दे पर भी प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है। भाजपा कहती थी कि अगर कोई व्यक्ति महिला के साथ अपराध करेगा तो अगले चौराहे पर उसे यमराज खड़े मिलेंगे। हम यह पूछना चाहते हैं कि कहां है वह यमराज? आज बेटियों के साथ जो दुर्व्यवहार हो रहा है उस पर न्याय क्यों नहीं मिलता? प्रदर्शन में शामिल आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता प्रतिपाल सिंह ने कहा कि हमारे हिंदू भाइयों पर बांग्लादेश में अत्याचार बढ़ता जा रहा है और सरकार की चुप्पी बेहद शर्मनाक है। हमारे देश के मुखिया प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जो कहते हैं कि देश में हिंदुओं की सरकार है मगर हिंदुओं के ऊपर लगातार अत्याचार हो रहा है।

यूपी में अप्रैल से लागू होगा नया लेबर कोड बिल

सैलेरी की आधी होगी बेसिक पे,अब हर कर्मचारी को मिलेगा अप्वाइंटमेंट लेटर

लखनऊ,(संवाददाता)। केंद्र सरकार का नया लेबर कोड बिल अप्रैल से उत्तर प्रदेश में भी लागू होगा। नए बिल को अंगीकार करने के लिए राज्य की आवश्यकता के अनुसार श्रम विभाग ने मामूली बदलाव कर संशोधित बिल विधि विभाग भेज दिया गया है। जनवरी में लेबरकोड बिल प्रकाशन कर सरकारआपत्तियां मांगेगी। 45 दिन बाद जरूरी आपत्तियों में सुधार कर बिल को अंतिम रूप से प्रकाशित कर दिया जाएगा। नए बिल का अनुपालन अनिवार्य हो जाएगा।29 सेंट्रल कोड सरकार ने समेटकर चार कोड में कर दिया है। इसे बीते साल 21 नवंबर को सरकार ने लागू कर दिया है। बिल राज्यों में लागू करने के लिए सरकार ने 90 दिन का समय दिया था। 22 दिसंबर को चार कमेटियों का गठन किया था जिसे 27 दिसंबर तक रिपोर्ट देनी थी। कमेटियों की रिपार्ट के आधार पर बीते 9 जनवरी को श्रम विभाग ने बिल को मामूली बदलावों के साथ विधि विभाग को करेक्शन के लिए भेज दिया है। केंद्र के विभागों में केंद्रीय बिल के नियमों और राज्य के विभागों में राज्य के नियमों का अनुपालन कराया जाएगा।नए लेबर कोड बिल में कर्मचारी को नियुक्ति पत्र देना अनिवार्य होगा। कंपनी कर्मचारी की नियुक्ति स्थाई, अस्थाई, संविदा, दिहाड़ी या आउटसोर्सिंग किसी भी रूप में करती है तो नियुक्ति पत्र देने की बाध्यता होगी। अभी कंपनियां नियुक्ति पत्र देने में आनाकानी करतीं हैं। नियुक्ति पत्र में सेवा शर्तों के साथ वेतन की जानकारी लिखी होगी। ग्रेच्युटी के लिए फिक्स टर्म इंप्लॉयमेंट का प्रावधान बनाया गया है। कोई कर्मचारी जितने दिन काम करेगा उतने दिन की ग्रेच्युटी कर्मचारी को देनी होगी। ईपीएफ, ईएसआई का लाभ देना होगा।कंपनियां ईपीएफ में हिस्सेदारी से बचने के लिए अपने कर्मचारियों का बेसिक पे कम रखतीं हैं। जबकिकर्मचारियों का वेतन बेसिक पे का कई गुना अधिक होता है। नए बिल में कुल सैलरी का आधा बेसिक पे रखने की बाध्यता की गई है। श्रम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बेसिक पे बढ़ने से किसी कर्मचारी की इन हैंड सैलरी में कोई असर नहीं पड़ेगा। 40 की उम्र पार कर चुके कर्मचारियों का हेल्थ चेकअप भी कंपनी को हर साल कराना होगा।अभी देश के अलग-अलग राज्यों में फैक्ट्री खोलने के लिए अलग-अलग लाइसेंस लेना पड़ता है, लेकिन अब नई व्यवस्था में एक ही लाइसेंस पूरे देश में मान्य होगा। कोई उद्यमी अपना कारोबार देश के विभिन्न राज्यों में खोलना चाहता है, तो वह उद्यमी कहीं नया उद्यम खोल सकेगा। उद्यमी को महज गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के पोर्टल पर अप्लाई करना होगा।नए बिल कोड के लागू होने के बाद उद्योग जगत पूर्ण रूप से इंस्पेक्टर राज मुक्त हो जाएगा। लेबर इंफोर्समेंट इंस्पेक्टर का नाम बदल दिया जाएगा। यह फैसिलिटेटर के नाम से जाने जाएंगे। किसी भी उद्योग या फर्म पर मुकदमा दर्ज नहीं कर सकेंगे।

मनरेगा को बचाने की लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ेगी कांग्रेस-केएल शर्मा

बोले,400 रुपए होनी चाहिए न्यूनतम मजदूरी

लखनऊ,(संवाददाता)। अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने आज कांग्रेस कार्यालय गौरीगंज में मनरेगा को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। मीडिया से मुखातिब केएल शर्मा ने कहा कि मनरेगा कोई साधारण सरकारी योजना नहीं बल्कि करोड़ों ग्रामीण गरीबों के सम्मान, अधिकार, जीविका की संवैधानिक गारंटी है, जिसे यूपीए सरकार ने देश के अंतिम व्यक्ति को सशक्त करने के उद्देश्य से लागू किया था। यूपीए शासनकाल में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी की दूरदर्शी सोच, संकल्प, राहुल गांधी के जमीनी संघर्ष के परिणामस्वरूप मनरेगा को काम का अधिकार का रूप मिला। डॉ. मनमोहन सिंह ने इसे नीतिगत मजबूती दी, सोनिया गांधी ने सामाजिक न्याय के संकल्प के साथ इसे आगे बढ़ाया और राहुल गांधी ने गांव-गांव जाकर मजदूरों की पीड़ा को समझते हुए महिलाओं, मजदूरों,किसानों के लिए संघर्ष कर योजना की पारदर्शिता और गरीबों की आजीविका का सशक्त आधार बनाया। उन्होंने कहा कि मनरेगा के लागू होने से गांवों से पलायन रुका, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली, गरीब परिवारों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिला। यह योजना केवल रोजगार नहीं बल्कि सामाजिक सुरक्षा की मजबूत दीवार बनकर उभरी। किशोरी लाल शर्मा ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने सत्ता में आते ही मनरेगा की आत्मा पर सीधा प्रहार किया। काम की उपलब्धता घटा दी गई, मजदूरी भुगतान में देरी को सामान्य बना दिया गया और ग्राम पंचायतों के अधिकार कमजोर कर दिए गए। जहां पहले 100 दिन के काम की गारंटी थी, आज मजदूर काम मांगने पर भी निराश लौट रहा है। न्यूनतम मजदूरी का अधिकार कागजों तक सीमित है। केंद्र सरकार राज्यों पर आर्थिक बोझ डालकर अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है। मोदी ने क्या बदला? तो जवाब साफ है अधिकारों की जगह अनिश्चितता, गारंटी की जगह मजबूरी और जवाबदेही की जगह प्रचार। कांग्रेस मनरेगा को कमजोर नहींबल्कि और मजबूत देखना चाहती है। हमारी मांग है कि काम की गारंटी, मजदूरी की गारंटी और जवाबदेही की गारंटी बहाल की जाए, लंबित भुगतानों का तत्काल भुगतान हो और न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन निर्धारित की जाए।

मतदाता सूची में अपना नाम जल्द दर्ज कराएं: खालिद रशीद

लखनऊ,(संवाददाता)। इमाम ईदगाह लखनऊ एवं इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने अपने एक बयान में कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं, भारत निर्वाचन आयोग ने 6 जनवरी को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत वर्ष 2026 की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले मतदाताओं की कुल संख्या 15.44 करोड़ थी, जबकि 6 जनवरी को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची के अनुसार विभिन्न कारणों से लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके हैं। ऐसे सभी मतदाता जिनका नाम वर्ष 2025 की मतदाता सूची में मौजूद था, लेकिन किसी कारणवश वे फॉर्म जमा नहीं कर सके, या जिन्होंने फॉर्म तो जमा कर दिया था लेकिन इसके बावजूद उनका नाम ड्राफ्ट सूची में शामिल नहीं हुआ है, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मतदाताओं को बिना किसी देरी के अपने संबंधित क्षेत्र के बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर), किसी राजनीतिक दल के एजेंट, स्थानीय पार्षद या जिम्मेदार व्यक्तियों से संपर्क करना चाहिए। मौलाना ने कहा कि मतदाताओं को अपनी जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में कोई एक वैध दस्तावेज अपने पास रखना चाहिए। बीएलओ उनसे फॉर्म नंबर 6 भरवाकर, संबंधित दस्तावेज की प्रति के साथ निर्वाचन कार्यालय में जमा कराएंगे, जिसके परिणामस्वरूप उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा।

संपादकीय

कर्ज को हल्के में न लें

इस महीने के अंत में स्टीफन (काल्पनिक नाम) का वेतन आधा हो सकता है। अमेरिकी सरकार ने इसी सप्ताह उनके नियोक्ता को इस संबंध में नोटिस भेजा है, क्योंकि उन्होंने 270 दिनों से अपने एजुकेशन लोन की एक भी किस्त नहीं चुकाई है, जबकि नौकरी अप्रैल 2025 में ही शुरू कर दी थी। क्या आप सोच रहे हैं कि सरकार किसी निजी कंपनी को अपने कर्मचारी का वेतन काटकर सरकारी खाते में जमा करने का आदेश कैसे दे सकती है? इसे वेज गार्निशमेंट (वेतन की कुर्की) कहा जाता है। यह एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें अदालत या सरकारी एजेंसी किसी नियोक्ता को कर्मचारी की कमाई (मजदूरी, वेतन, बोनस आदि) का एक हिस्सा रोकने का आदेश देती है, ताकि पुराने कर्ज, जैसे कि बकाया टैक्स या डिफॉल्ट हो चुके एजुकेशन लोन का भुगतान किया जा सके। एक बार नोटिस जारी होने के बाद, यह एक अनिवार्य कटौती बन जाती है जो तब तक जारी रहती है जब तक कि पूरा कर्ज चुकता न हो जाए। यह कर्ज न चुकाने वालों के खिलाफ सरकार की कानूनी कार्रवाई या अदालती आदेश का नतीजा होता है। यह स्थिति सिर्फ स्टीफन की नहीं हैय अमेरिका में 30 लाख छात्र लोन डिफॉल्टर हैं, जिन्होंने ट्रम्प सरकार को हस्तक्षेप करने और कड़ी कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया है। चूंकि महामारी के दौरान जब अर्थव्यवस्था ठप हो गई थी, तब दुनियाभर की सरकारों ने कर्ज अदायगी पर कुछ महीनों के लिए रोक लगा दी थी। वित्तीय संस्थानों की इस सहानुभूतिपूर्ण सोच ने कई लोगों के मन में कर्ज न चुकाने की मानसिकता को बढ़ावा दिया। भारत में, 30 जून 2025 तक, जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों की कुल बकाया राशि ध्1,76,693 करोड़ तक पहुंच गई है। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि दुनियाभर में बढ़ती महंगाई डिफॉल्टरों की लिस्ट को बड़ा कर रही है। यह भविष्य में सरकारों को अपने बैंकों को बचाने के लिए वेज गार्निशमेंट जैसे सख्त कदम उठाने पर मजबूर कर सकती है। यदि आपको लगता है कि आप हर महीने जारी होने वाली डिफॉल्टरों की लिस्ट में शामिल हो सकते हैं, तो इससे बचने का विकल्प हैरू सभी लोन का एकीकरण यानी सभी पुराने (डिफॉल्ट) कर्जों को एक नए लोन में बदल देना। उन लोगों के लिए यह सबसे तेज समाधान है, जिन्हें अब भी उधार लेने की जरूरत है। ऋण एकीकरण अलग-अलग कर्जदाताओं को किए गए भुगतानों के रिकॉर्ड को व्यवस्थित कर सकता है।

नैटफ्लिक्स ने बदल दी स्ट्रीमिंग की दुनिया

हाऊस ऑफ काड्र्स के निर्माण ने सब कुछ बदल दिया। पहले दो सीजन के 26 एपिसोड बनाने में 10 करोड़ डॉलर का खर्च आया, जो एक पूरी फिल्म के बजट के बराबर था। एक सीजन के सभी एपिसोड एक साथ रिलीज किए गए और इसकी कीमत 8 से 12 डॉलर प्रति माह थी, जबकि केबल टी.वी. की कीमत 50 डॉलर या उससे अधिक थी। यह मनोरंजन जगत में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव था, जब से एम.पी.3 जैसी कंप्रेशन तकनीकों ने 90 के दशक के उत्तरार्ध में संगीत उद्योग को तबाह कर दिया था। नैटफ्लिक्स ने ऑन-डिमांड, भुगतान-आधारित स्ट्रीमिंग की संभावनाओं को प्रदर्शित किया, जो एक ही समय में लीनियर टैलीविजन, थिएटर रिलीज और समाचार चौनलों को प्रतिस्थापित कर सकती थी और इसने उस क्षमता को साकार भी किया। 39 बिलियन डॉलर के साथ राजस्व और 300 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबरों के मामले में, यह दुनिया की सबसे बड़ी पेड स्ट्रीमिंग सेवा है।

वनीता कोहली

इस सप्ताह नैटफ्लिक्स भारत में 10 साल पूरे कर रहा है। ऐसे में वैश्विक स्तर पर और भारत में मीडिया के मानचित्र के पतन और उसके बाद हुए पुर्ननिर्धारण पर फिर से विचार करने का यह एक उपयुक्त समय है। 1990 के दशक में नैटफ्लिक्स डी.वी.डी. किराए पर देता था। इसने यूट्यूब के 5 साल बाद, 2010 में स्ट्रीमिंग शुरू की। हालांकि, हाऊस ऑफ काड्र्स के निर्माण ने सब कुछ बदल दिया। पहले दो सीजन के 26 एपिसोड बनाने में 10 करोड़ डॉलर का खर्च आया, जो एक पूरी फिल्म के बजट के बराबर था। एक सीजन के सभी एपिसोड एक साथ रिलीज किए गए और इसकी कीमत 8 से 12 डॉलर प्रति माह थी, जबकि केबल टी.वी. की कीमत 50 डॉलर या उससे अधिक थी। यह मनोरंजन जगत में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव था, जब से एम.पी.3 जैसी कंप्रेशन तकनीकों ने 90 के दशक के उत्तरार्ध में संगीत उद्योग को तबाह कर दिया था। नैटफ्लिक्स ने ऑन-डिमांड, भुगतान-आधारित स्ट्रीमिंग की संभावनाओं को प्रदर्शित किया, जो एक ही समय में लीनियर टैलीविजन, थिएटर रिलीज और समाचार चौनलों को प्रतिस्थापित कर सकती थी और इसने उस क्षमता को साकार भी किया। 39 बिलियन डॉलर के साथ राजस्व और 300 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबरों के मामले में, यह दुनिया की सबसे बड़ी पेड स्ट्रीमिंग सेवा है। ये वे दर्शक थे, जिनके लिए दूसरे भी तरस रहे थे। चाहे बात ज्यादा उत्पाद बेचने की हो (अमेजन की) या लोगों को ज्यादा खोज करने के लिए प्रेरित करने की (गूगल की), कई बड़ी तकनीकी कंपनियों को भौगोलिक क्षेत्रों, तकनीकों और उपकरणों में फैले विशाल दर्शकों की जरूरत थी। इनमें से ज्यादातर, जैसे अमेजन और एप्पल, फॉक्स, डिज्नी, वार्नर जैसी पुरानी मीडिया कंपनियों के साथ, वीडियो स्ट्रीमिंग में हाथ आजमा रहे थे। लेकिन नैटफ्लिक्स के आने के बाद, स्ट्रीमिंग एक गंभीर क्षेत्र बन गया और अमेजन प्राइम वीडियो, एप्पल और कई अन्य कंपनियों ने भी अपनी पकड़ मजबूत कर ली। जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि जिनके पास सबसे ज्यादा संसाधन और प्लेटफॉर्म होंगे, उनकी सौदेबाजी की शक्ति सबसे ज्यादा होगी। टैक्नोलॉजी और मीडिया क्षेत्र की बड़ी कंपनियों का कुल राजस्व 160 अरब डॉलर से लेकर 600 अरब डॉलर तक है। सबसे बड़े पारंपरिक स्टूडियो का राजस्व 30 अरब डॉलर से 80 अरब डॉलर के बीच है। यही कारण है कि 2017 में रूपर्ट मर्डोक ने ट्वंटी-फर्स्ट सैंचुरी फॉक्स की मनोरंजन संपत्तियों, जिनमें स्टार इंडिया भी शामिल थी, को वॉल्ट डिज्नी कंपनी को बेचने का फैसला किया। लगभग उसी समय, जी कंपनी प्रोमोटरों द्वारा उत्पन्न ऋण संकट से जूझ रही थी, उसने अपने हिस्से की बिक्री करने का निर्णय लिया। सोनी-जी का विलय तो नहीं हो पाया लेकिन पी.वी.आर.-इनॉक्स और जियोस्टार (स्टार इंडिया और वायाकॉम 18) जैसे अन्य विलय हो गए। जिस तरह वैश्विक मानचित्र में बदलाव आया, उसी तरह भारतीय मानचित्र में भी बदलाव आया। दस साल पहले किसी आइसलैंडिक शो को ढूंढना, उसका आनंद लेना और फिर और भी देखने की इच्छा रखना कितना संभव था? स्ट्रीमिंग वीडियो या ओ.टी.टी. द्वारा दुनिया भर से पेश की जाने वाली कहानियों का भंडार असाधारण है और नैटफ्लिक्स ने हमें इनसे परिचित कराया, जिसके बाद अन्य चौनल भी जुड़ गए। जिस तरह आप और मैं कोलंबियाई, स्पैनिश, जर्मन, तुर्की या कोरियाई शो और फिल्में खोज रहे हैं, उसी तरह दुनिया भर में लाखों लोग कोहरा, पाताल लोक, मिजार्पुर, फैमिली मैन या दिल्ली क्राइम जैसी भारतीय फिल्मों और शोज को खोज रहे हैं। ये स्थानीय कहानियां हैं, जिन्हें भारतीय कहानीकारों ने भारतीय भाषाओं में सुनाया है। स्ट्रीमिंग के जरिए इन्हें वैश्विक स्तर पर पहुंचाया जा रहा है, जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की थी। नैटफ्लिक्स या अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला हर भारतीय शो 200 देशों में उपलब्ध है। इनमें से कई शो की समीक्षा दुनिया भर के कुछ प्रमुख समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और टी.वी. चौनलों में की जाती है। विदेशों में रिलीज हुई कुछ सबसे बड़ी भारतीय फिल्में-फॉक्स स्टूडियो की माई नेम इज खान (2010) या डिज्नी की दंगल (2016)-को यह लोकप्रियता नहीं मिली। दशकों से क्रॉसओवर फिल्म की चर्चा के बाद, भारतीय कहानियां आखिरकार क्रॉसओवर कर रही हैं। उन्हें नियमित रूप से अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया जा रहा है। 2020 में दिल्ली क्राइम और 2023 में वीर दास की लैंषडग ने पुरस्कार जीते। दोनों फिल्में नैटफ्लिक्स पर थीं। दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म निर्माण उद्योग अब अपनी कहानी कहने की कला को दुनिया के सामने प्रर्दशित कर रहा है। नैटफ्लिक्स (और स्ट्रीमिंग) के 10 वर्षों ने भारत को जो सबसे अच्छी चीजें दी हैं, उनमें से यह एक है।

याद कीजिए उन साधारण लोगों को, जिन्होंने आपकी जिंदगी को असाधारण बनाया

लेकिन क्या हम उन्हें याद रखते हैं? यह विचार मेरे मन में आया, क्योंकि मैं इस सप्ताह अपनी मां का श्राद्ध करने जा रहा हूं। यह एक वार्षिक अनुष्ठान है, जिसे हमारे धर्म में दिवंगत आत्माओं की स्मृति में किया जाता है। इस दिन मैं विशेष रूप से समय निकालकर टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुम्बई के उन तमाम डॉक्टरों का स्मरण करता हूं। उनमें से एक थे डॉ. आरएस राव, जिन्होंने मेरी मां को कैंसर होने के बाद भी 11 वर्षों तक जीवित रखने के लिए अथक परिश्रम किया। मैं उनसे नियमित मिलता था और मैंने कई बार गहरे मन से उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है, जब तक कि 2011 में स्वयं उनका निधन नहीं हो गया। मेरी भांजी- जो मेरी ही आंखों के सामने बड़ी हुई है- के लिए तो उसके डॉक्टर सिर्फ वो डॉक्टर नहीं थे जिन्होंने उसे दूसरा जीवन दिया, बल्कि वह व्यक्ति भी थे, जिन्होंने उसे वैसा भोजन दिया, जिसके बारे में वह मानती है कि उसी ने उसे पोषित किया और एक मनुष्य के रूप में गढ़ा। उसकी दिलचस्प स्मृति-कथा इस प्रकार है। तमिलनाडु में हमारे गांव वाले घर में दो प्रवेश द्वार थे। हमारे बड़े संयुक्त परिवार की मदद करने वाले सभी कामगार पीछे के दरवाजे से ही भीतर आते थे- नारियल के पेड़ों से फल उतारने वाले हों या खाने और पूजा के लिए केले के पत्ते काटने वाले। लेकिन उन कामगारों में एक व्यक्ति बहुत खास था। वह सूखी टहनियों से एक छोटा-सा चूल्हा जलाता और उस पर पानी से भरा एल्युमिनियम का बर्तन रख देता। फिर वह पास की दुकान से एक अंडा लाता और उसे उबलते पानी में डाल देता।

एन. रघुरामन

कुछ लोगों के लिए अखबार में कभी शोकलेख नहीं छपते। वे शायद ही कभी खबरों में आते हैं। लेकिन हममें से हरेक ने किसी न किसी ऐसे व्यक्ति से जरूर मुलाकात की होगी, जिसने जिंदगी में हमारी सहायता की हो या उसे गढ़ा हो। लेकिन क्या हम उन्हें याद रखते हैं? यह विचार मेरे मन में आया, क्योंकि मैं इस सप्ताह अपनी मां का श्राद्ध करने जा रहा हूं। यह एक वार्षिक अनुष्ठान है, जिसे हमारे धर्म में दिवंगत आत्माओं की स्मृति में किया जाता है। इस दिन मैं विशेष रूप से समय निकालकर टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुम्बई के उन तमाम डॉक्टरों का स्मरण करता हूं। उनमें से एक थे डॉ. आरएस राव, जिन्होंने मेरी मां को कैंसर होने के बाद भी 11 वर्षों तक जीवित रखने के लिए अथक परिश्रम किया। मैं उनसे नियमित मिलता था और मैंने कई बार गहरे मन से उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है, जब तक कि 2011 में स्वयं उनका निधन नहीं हो गया। मेरी भांजी- जो मेरी ही आंखों के सामने बड़ी हुई है- के लिए तो उसके डॉक्टर सिर्फ वो डॉक्टर नहीं थे जिन्होंने उसे दूसरा जीवन दिया, बल्कि वह व्यक्ति भी थे, जिन्होंने उसे वैसा भोजन दिया, जिसके बारे में वह मानती है कि उसी ने उसे पोषित किया और एक मनुष्य के रूप में गढ़ा। उसकी दिलचस्प स्मृति-कथा इस प्रकार है। तमिलनाडु में हमारे गांव वाले घर में दो प्रवेश द्वार थे। हमारे बड़े संयुक्त परिवार की मदद करने वाले सभी कामगार पीछे के दरवाजे से ही भीतर आते थे- नारियल के पेड़ों से फल उतारने वाले हों या खाने और पूजा के लिए केले के पत्ते काटने वाले। लेकिन उन कामगारों में एक व्यक्ति बहुत खास था। वह सूखी टहनियों से एक छोटा-सा चूल्हा जलाता और उस पर पानी से भरा एल्युमिनियम का बर्तन रख देता। फिर वह पास की दुकान से एक अंडा लाता और उसे उबलते पानी में डाल देता। अंडा उबालकर छीलने के बाद वह जोर से आवाज लगाता- अम्मा, बच्ची को ले आओ। मेरी नानी मेरे मामा की बेटी को गोद में लेकर आती थीं, जो गंभीर बीमारी के कारण बेहद कमजोर हो गई थी और जिसके भोजन में अंडा शामिल करने की सलाह दी गई थी। उस उम्र में भी बूढ़ी नानी बगीचे में बैठ जातीं, मेरी नन्ही-सी भांजी को कहानियां सुनाते हुए उसे अंडा खिलाने लगतीं। जबकि हमारा घर कई वर्षों तक ऐसा स्थान रहा था, जहां प्याज तक का इस्तेमाल नहीं होता था। यही गांव की जीवन-शैली थी। इस तरह मेरी भांजी उन दो लोगों से गहराई से जुड़ गई- एक वे व्यक्ति, जो रोज उसके लिए अंडा उबालते थे, और दूसरी मेरी नानी, जिन्होंने अपने जीवन के 75 वर्षों तक कभी प्याज तक नहीं छुआ था, फिर भी छह महीने से ज्यादा समय तक उसे रोज अंडा खिलाया। अंडों ने सीधे तौर पर उसके स्वास्थ्य में कोई चमत्कारिक योगदान तो नहीं दिया, लेकिन वो यह अच्छी तरह समझती थी कि उन दो लोगों की निष्ठा और समर्पण ने उसकी सेहत को जरूर सम्बल दिया। और तीसरे व्यक्ति उसके डॉक्टर थे, जिनकी उसके मन में आज एक झीनी-सी याद भर है। उन डॉक्टर के हस्तक्षेप के बिना वह जीवित न बच पाती। ये वो दौर था, जब कोरोनरी आर्टरी बायपास सर्जरी को बहुत दुर्लभ माना जाता था। वह उन गिने-चुने बच्चों में से एक थी, जो उस समय उस सर्जरी से गुजरे। जब उन डॉक्टर का निधन हुआ, तो वह अमेरिका से विशेष रूप से भारत आई, उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुई और अपने परिवार से कहा- मुझे गर्व है कि मेरे शरीर पर वह निशान है, जिसे एक ऐसे असाधारण व्यक्ति ने काटा और सिला।जाहिर है कि वह नानी के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुई। लेकिन मुझे तब आश्चर्य हुआ, जब वह उस घरेलू सहायक के अंतिम संस्कार में भी पहुंची- जिसने छह महीनों तक उसके लिए अंडे उबाले थे। दिलचस्प यह है कि वह आज भी उस परिवार को हर साल दीपावली के उपहार भेजती है और एक निश्चित राशि भी देती है। उसका गहरा विश्वास है कि वह इन लोगों की मदद के कारण ही जीवित है। उन साधारण लोगों को याद करना, जिन्होंने हमारी जिंदगी को असाधारण बना दिया- अपने आप में एक बेहद संतोषदायक अनुभव है।

देश में तेजी से बढ़ रही पोर्न देखने की लत

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्रायः बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या अपना क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

डा. वरिन्द्र भाटिया

समाज शास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे अनेक सर्वे बता रहे हैं कि देश में पोर्न (सैक्स सामग्री) देखने की लत यानी पोर्न एडिक्शन सभी वर्गों में तेजी से बढ़ रही है। पोर्न देखने की आदत जब इस हद तक पहुंच जाए कि पर्सनल और प्रोफैशनल लाइफ इससे प्रभावित होने लगे तो समझ जाना चाहिए कि पोर्न एडिक्शन की शुरूआत हो चुकी है। यह एक खतरनाक बुरी आदत है और इसके कारणों और दुष्प्रभावों को जानना जरूरी है। हर वक्त पोर्न के ख्यालों में खोने की वजह से एडिक्शन का शिकार इंसान न तो कोई नई बात सोच पाता है और न ही कुछ प्लान कर पाता है। उसके आसपास के लोग इसे आदत का बदलाव समझ कर उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते और वह इंसान एडिक्शन में डूबता चला जाता है। पोर्न एडिक्शन और सैक्स एडिक्शन दोनों अलग बातें हैं। जहां सैक्स एडिक्शन का असर सैक्सुअल लाइफ को प्रभावित करता है, वहीं पोर्न एडिक्शन जिंदगी के कई क्षेत्रों को प्रभावित करता है। अक्सर पोर्न देखने वाले रात में देर तक पोर्न देखते हैं और इस वजह से बाकी दिन सुस्त रहते हैं। न उनके काम का कोई वक्त होता है, न आराम का-किसी काम में मन न लगना, शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान होने के बावजूद पोर्न देखना जारी रखना, ज्यादा-से-ज्यादा बार मैस्टरबेट करना, अपने पार्टनर के प्रति अरुचि, सैक्सुअल बिहेवियर में भारी बदलाव, जैसे एग्रैसिव हो जाना, पार्टनर की भावनाओं की कद्र न करना, पोर्न को दुनिया की हर परेशानी और टैंशन से दूर भागने के टूल की तरह इस्तेमाल करना। यह एक बहुत बड़ा मनोवैज्ञानिक विकार है, जिसको ठीक करना आसान नहीं होता। ऐसा नहीं है कि पोर्न देखने की लत सिर्फ उम्रदराज लोगों में ही हो सकती है, 9 से 15 साल तक के बच्चों पर इस तरह का एडिक्शन तेजी से कब्जा करता है। तकरीबन 9 साल की उम्र से ही मर्दानगी लाने वाला हॉर्मोन बनने लगता है और इसी के चलते ऐसी चीजों को लेकर उत्सुकता बढने लगती है। हजारों की संख्या में स्कूली और कॉलेज जाने वाले छात्र भी इस लत का शिकार हो रहे हैं, यह एक बड़ी सामाजिक चिंता है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि काम के दौरान पोर्न देखना अब आम हो गया है, क्योंकि ऑनलाइन पोर्न तक पहुंच आसान हो गई है। एक लोकप्रिय डिजिटल लाइफस्टाइल पत्रिका के लिए किए गए एक वैश्विक सर्वेक्षण से यह पता चला है कि 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने बताया कि उन्होंने ऑफिस में काम करते हुए पोर्न देखी है। पोर्न का चलन पश्चिमी देशों से आया है। इन देशों में पोर्न इंडस्ट्रीज अरबों डॉलर का व्यापार करती हैं। कुछ दशकों से भारत में भी पोर्न वीडियो देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह भारतीय संस्कृति पर एक बड़ा प्रहार है। पोर्न देखने से हमारी निजी जिंदगी को नुकसान पहुंचता है। एक रिसर्च के अनुसार, अधिक पोर्न वीडियो देखने से दिमाग सिकुडने लगता है। पोर्न देखने वालों में एक अलग तरह की उत्तेजना पैदा होती है। मनोवैज्ञानिक मत है कि पोर्न देखकर सैक्स करने से सही ऑर्गज्म नहीं मिलता। ऑक्सीटोसिन एक लव हार्मोन है, जो पुरुष और महिलाओं दोनों को एक-दूसरे को आकर्षित करने में मदद करता है। पोर्न फिल्मों में जिस तरह से सैक्स करना दिखाया जाता है, उससे ऑक्सीटोसिन हार्मोन रिलीज नहीं होता। इससे प्यार की फीलिंग नहीं आती। कई बार पुरुष अपनी फीमेल पार्टनर से बिल्कुल पोर्न वीडियोज में दिखाए जाने वाले एक्ट करने की डिमांड करते हैं, जो सबके लिए करना आसान नहीं होता। इससे शादीशुदा रिश्ते खराब होने लगते हैं। न्यूरोसाइंटिस्ट कहते हैं कि बहुत ज्यादा पोर्न देखने से मनोविकार की स्थिति पैदा हो सकती है। पोर्न देखने की लत आपको अकेला कर देती है। समाज और परिवार से दूर निकलकर आप हमेशा अकेलापन खोजते हैं। ऐसे लोग पोर्न देखने के मजे में इतने डूब जाते हैं कि उन्हें परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ रहना खास अच्छा नहीं लगता। पोर्न देखने की टाइमपास आदत भी अति के बाद लत की शक्ल ले लेती है और जब तक इसकी गिरफ्त में होने का अहसास होता है, आसपास काफी कुछ तहस-नहस हो चुका होता है। क्या इस लत से बचना समाज के लिए संभव होगा।

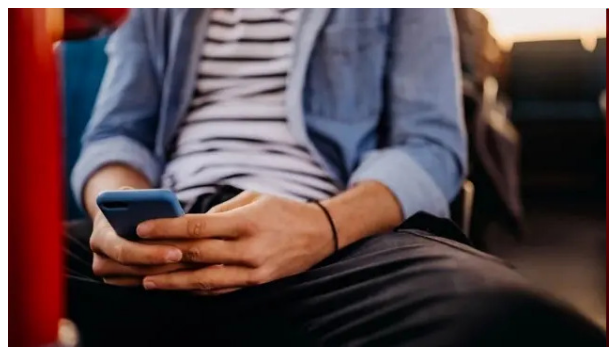

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली का वीडियो क्यों हुआ वायरल ? फैंस ने भी दिए मजेदार रिएक्शन यहां देखें

फैंस के बीच अनुष्का शर्मा और विराट कोहली एक आइडल कपल के तौर पर मशहूर हैं। दोनों के कपल गोल्स देखकर फैंस इंस्पायर भी होते हैं। हाल ही में दोनों का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसे देखकर फैंस इस कपल के फिर से कायल हो गए हैं। रविवार यानी 11 जनवरी को वडोदरा में न्यूजीलैंड और भारत के बीच वनडे सीरीज की शुरूआत हो रही है। पहला मैच आज वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। विराट कोहली भी इंडियन वन डे क्रिकेट टीम का हिस्सा हैं। लेकिन वह मैच से ज्यादा एक वीडियो को लेकर ट्रेंड कर रहे हैं। पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिस पर फैंस फिदा नजर आए। अनुष्का और विराट ने फैंस को किस बात पर चौंकाया? विराट कोहली शानदार क्रिकेटर हैं। साथ ही वह एक कमाल के डांसर भी हैं। वायरल वीडियो में वह अनुष्का शर्मा के साथ डांस कर रहे हैं। हर डांस स्टेप्स को विराट ने बढ़िया ढंग से किया।

जन नायगन की रिलीज में फिर आई अड़चन तो कमल हसन ने दी प्रतिक्रिया-भारत का संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ..

सुपरस्टार थलापति विजय की फिल्म श्जन नायगनश रिलीज के लिए इन दिनों कई मुश्किलों को सामना कर रही है। शुक्रवार को मद्रास उच्च न्यायालय ने सीबीएफसी को फिल्म के लिए यूध्ए 16 प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश दिया, हालांकि बाद में सीबीएफसी द्वारा चुनौती देने के बाद इसकी सुनवाई के लिए 21 जनवरी का दिन तय किया गया है। फिल्म को सीबीएफसी से प्रमाणपत्र नहीं मिलने के कारण पोंगल के अवसर पर इसकी रिलीज को स्थगित करना पड़ा। ऐसे में अब एक्टर कमल हासन ने जन नायकन को सीबीएफसी से प्रमाण पत्र नहीं मिलने के बाद अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और फिल्म प्रमाणन प्रक्रिया पर चिंता जताई है। कमल हासन ने किसी संस्था का नाम लिए बिना या किसी विशिष्ट फिल्म का जिक्र किए बिना कहा, भारत का संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अधिकार देता है। यह क्षण किसी एक फिल्म से बड़ा है, यह उस स्थान को दशार्ता है, जो हम एक संवैधानिक लोकतंत्र में कला और कलाकारों को देते हैं। एक्टर ने कहा, सिनेमा केवल एक व्यक्ति का श्रम नहीं है, बल्कि लेखकों, तकनीशियनों, कलाकारों, प्रदर्शकों और छोटे व्यवसाय करने वालों का सामूहिक प्रयास है, जिनकी आजीविका एक निष्पक्ष और समयबद्ध प्रक्रिया पर निर्भर करती है। हासन ने पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर देते हुए चेतावनी दी कि सेंसरशिप के अस्पष्ट कामकाज रचनात्मकता को दबा सकती हैं और फिल्म उद्योग में आजीविका को क्षति पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा, जब स्पष्टता का अभाव होता है, तो रचनात्मकता सीमित हो जाती है, आर्थिक गतिविधियां बाधित होती हैं और जनता का विश्वास कमजोर होता है। अब प्रमाणन प्रक्रिया पर फिर से विचार करने, प्रमाणन के लिए समय निश्चित करने, मूल्यांकन को पारदर्शी बनाने और सुझाए गए प्रत्येक कट या संपादन के लिए लिखित व तर्कसंगत औचित्य देने की आवश्यक्ता है। इसके साथ ही कमल हासन ने फिल्म इंडस्ट्री से श्एकजुट होने और सार्थक, रचनात्मक संवाद में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के सुधार रचनात्मक स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे, संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखेंगे और अपने कलाकारों व लोगों पर विश्वास जताकर भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करेंगे। बता दें पहले जन नायगन इसी महीने 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सर्टिफिक्केट में देरी की वजह से मेकर्स को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। फिल्म निमार्ताओं ने मद्रास हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया कि बिना किसी ठोस वजह के जना नायगन का सर्टिफिक्केशन रोका जा रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला सुनाया था, जिसके बाद यह साफ हो गया था कि जना नायगन को बिना किसी और देरी के सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

पाताल लोक 2 फेम एक्टर प्रशांत तमांग का 43 की उम्र में निधन, दिल का दौरा पड़ने से गई जान

मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आ रही है। फेमस सिंगर और वेब सीरीज पाताल लोक 2 में नजर आ चुके एक्टर प्रशांत तमांग अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 43 साल की उम्र में निधन हो गया है। प्रशात के निधन की पुष्टि फिल्ममेकर राजेश घाटानी ने की है। इसके साथ ही सिंगर महेश सेवा ने सोशल मीडिया के जरिए दिवंगत एक्टर को श्रद्धांजलि दी है। यह दुखद समाचार सामने आते ही इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सिंगर महेश सेवा के बताया प्रशांत तमांग का निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ है। उन्होंने रविवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए प्रशांत तमांग को श्रद्धांजलि दी और लिखा-(संवाददाता)प्यारे भाई प्रशांत के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं।(संवाददाता)

वीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी प्रशांत के निधन पर दुख व्यक्त किया और एक्स पर लिखा, (संवाददाता)इंडियन आइडल फेम और मशहूर सिंगर प्रशांत तमांग के आज अचानक और असमय निधन से बहुत दुख हुआ। उनका संबंध हमारे दार्जिलिंग से भी था। मैं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के लिए अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं।(संवाददाता) बता दें, 43 साल के प्रशांत तमांग टीवी शो इंडियन आइडल-3 के विजेता रह चुके थे इस रियालिटी शो में आने से पहले वह कोलकाता पुलिस में थे और समय-समय पर पुलिस कार्यक्रमों में गाते थे। इसके बाद वह टीवी शो इंडियन आइडल में आए और इसके विनर बने। इंडियन आइडल जीतने के बाद प्रशांत ने सोनी बीएमजी के साथ अपना पहला एल्बम निकाला, जिसमें हिंदी और नेपाली गाने थे। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग के तौर पर काम किया और जयदीप अहलावत स्टारर सीरीज (संवाददाता)पाताल लोक 2(संवाददाता) में नजर आए। इस सीरीज में उनके विलेन डेनियल लेचो के रोल को काफी पसंद किया गया था।

क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव पर झूठे आरोप लगा बुरी फंसी खुशी मुखर्जी, हुआ 100 करोड़ की मानहानि का केस

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी आए दिन मुंबई में स्पॉट होती रहती है, जहां वो अपनी बोल्डनेस और बेबाक बयानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोरती हैं। वहीं, पिछले दिनों खुशी ने भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव को लेकर एक टिप्पणी की थी, जो उन्हीं पर भारी पड़ गई है। उनके बयान के चलते उनके खिलाफ 100 करोड़ का मानहानि का मुकदमा हुआ है। दरअसल, पिछले दिनों एक इवेंट में खुशी मुखर्जी से पूछा गया था कि उन्हें कौन सा क्रिकेटर पसंद है और वह किसे डेट करना चाहेंगी ? इसपर खुशी ने कहा कि वह किसी भी क्रिकेटर को डेट नहीं करना चाहती हैं। मेरे पीछे बहुत से क्रिकेटर पड़े थे। वह कौन सा क्रिकेटर है.... हां, शायद सूर्यकुमार यादव। वह मुझे बहुत मैसेज करते थे, लेकिन हमारी बहुत बातचीत नहीं होती है। मुझे किसी के साथ जुड़ना पसंद नहीं है। मुझे कोई भी लिंक-अप पसंद नहीं है। अब उनका ये बयान उन्हीं पर भारी पड़ता दिख रहा है। क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव पर झूठे आरोप लगाने के चलते खुशी मुखर्जी के खिलाफ गाजीपुर में 100 करोड़ रुपये का मानहानि का केस दर्ज किया गया है। इतना ही नहीं गाजीपुर एसपी डॉ. इरज राजा से खुशी मुखर्जी को जल्द से जल्द गिरफ्तार तक करने की मांग की गई है। हालांकि, इस पूरे मामले पर अभी तक खुशी मुखर्जी की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

न्यूयॉर्क से लौटे रणवीर दीपिका ने एयरपोर्ट मारी स्टाइलिश एंट्री, हाथों में हाथ थामे दिखी दीपवीर की जबरदस्त केमिस्ट्री

बॉलीवुड कपल पिछले साल 2025 में अपने नए साल 2026 का स्वागत करने न्यूयॉर्क पहुंचे थे, जहां दोनों ने खूब एंजॉय किया और फैंस संग तस्वीरें भी क्लिक करवाईं। इतना ही नहीं, न्यूयॉर्क में हाल ही में दीपिका ने अपने करीबी दोस्त की शादी भी अटेंड की। वहीं, अब लंबी छुट्टियों के बाद रणवीर सिंह और दीपिका अपने देश वापस लौट आए है। हाल ही में न्यूयॉर्क वेकेशन से लौटे दीपवीर को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। एयरपोर्ट लुक की बात करें तो इस दौरान रणवीर और दीपिका दोनों ही विंटर आउटफिट में नजर आए। हमेशा की तरह दोनों ने अपने फैशन सेंस से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। रणवीर सिंह ने डेनिम के साथ ब्लैक जैकेट पहनी। इसके साथ वह कैप और सनग्लासेस लगाए दिखे, जिसमें उनका लुक बेहद कूल और हैंडसम लगा। उनका कैजुअल लेकिन स्मार्ट स्टाइल फैंस को खूब पसंद आया। वहीं दीपिका पादुकोण भी किसी से कम नहीं दिखीं। उन्होंने भी डेनिम और ब्लैक जैकेट कैरी क, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और एलिगेंट लगीं। दीपिका का सादगी भरा लेकिन क्लासी अंदाज हमेशा की तरह फैंस को खूब भाया। एयरपोर्ट पर दोनों ने हाथों में हाथ डाले एक साथ एंट्री ली, जिससे कपल की जबरदस्त बॉन्डिंग दिखी। इस दौरान कपल ने पैपराजी को मुस्कुराते हुए पोज दिए। जैसे ही उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं, फैंस ने कमेंट्स और लाइक्स की बौछार कर दी। लोग कपल की केमिस्ट्री की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं और उनके लुक्स को सोबर, स्टाइलिश और परफेक्ट बता रहे हैं। काम की बात करें तो दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्म किंग में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। वहीं, उनके पति रणवीर सिंह इन दिनों अपनी फिल्म धुरंधर की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। 5 दिसंबर, 2025 को रिलीज हुई यह फिल्म आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है।

'हक' देखने के बाद आलिया भट्ट बनीं यामी गौतम की फैन, लिखा- 'आप सोने के समान...'

आलिया भट्ट ने यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म 'हक' को ओटीटी पर देखा। आलिया को इस फिल्म में यामी का अभिनय इतना पसंद आया है कि वो अब उनकी फैन बन गई हैं। आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म 'हक' देखी। आलिया को 'हक' बेहद पसंद भी आई। जिसे लेकर आलिया ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के बारे में कुछ खास लिखा है और साथ ही यह भी बताया है कि वह अब उनकी फैन बन गई हैं। आलिया का पोस्ट नेटफ्लिक्स पर आने के बाद कई बॉलीवुड सितारों ने 'हक' को देखा और अपनी राय दी। आलिया से पहले कियारा आडवाणी ने भी यामी की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, 'अभी नेटफ्लिक्स पर 'हक' देखी, यामी गौतम, क्या शानदार परफॉर्मेंस थी।' आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'क्वीन यामी गौतम, 'हक' में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं। यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'

किसके बारे में है फिल्म हक?

फिल्म में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है। इसके अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और परिधि शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। निर्देशक सुपर्ण वर्मा हैं। फिल्म 'हक' बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली। वहीं अब ओटीटी पर भी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से प्रेरित है। दर्शकों और समीक्षकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई। 2026 में किस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट? आलिया भट्ट निर्देशक शिव रावेल की फिल्म 'अल्फा' में शरवरी और बॉबी देओल के साथ नजर आएंगी। इसकी रिलीज डेट अब 17 अप्रैल 2026 कर दी गई है। साथ ही वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी, जो 2026 में रिलीज हो सकती है।

तारा सुतारिया को चाहिए कैसा दूल्हा?

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की चर्चा के बीच शादी को लेकर बयान वायरल

पिछले दिनों बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के ब्रेकअप को लेकर अटकलें सामने आईं। इस बीच तारा एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपने लाइफपार्टनर में क्या खूबियां चाहती हैं, इसे लेकर बात कर रही हैं। ब्रेकअप की खबरों, अफवाहों के बीच तारा सुतारिया का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आ गया है। इस इंटरव्यू में वह बता रही हैं कि उन्हें कैसा लाइफपार्टनर चाहिए? वह अपने पार्टनर में क्या-क्या क्वालिटीज देखती हैं। क्या इनकी खूबियों में वीर पहाड़िया फिट बैठते हैं? जानिए, तारा सुतारिया ने अपने इंटरव्यू में क्या-क्या कहा था। कैसे शख्स से शादी करना चाहती थीं तारा सुतारिया? तारा सुतारिया ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अपने लाइफपार्टनर को लेकर बात की थी। यह तब की बात है, जब वीर पहाड़िया के साथ उनके रिलेशनशिप में होने की अफवाहें उड़ी थीं। लेकिन रिलेशनशिप को दोनों ने कंफर्म नहीं किया था। तारा से पॉडकास्ट में पूछा गया था कि क्या वह विदेशी व्यक्ति से शादी करेंगी? इस पर तारा ने जवाब दिया था, (संवाददाता)मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मैं बहुत देसी इंसान हूं। मुझे अपने यहां का देसीपन पसंद है। हमारे यहां एक खास तरह का चिल-आउट माहौल होता है। यहां रहने का एक खास तरीका है। मुझे यह सबकुछ पसंद है। मुझे सादगी चाहिए और कंफर्ट चाहिए। पार्टनर में चाहिए किस तरह की क्वालिटी? तारा सुतारिया पॉडकास्ट में आगे कहती हैं, (संवाददाता)मेरे पार्टनर को भी पता होना चाहिए कि वह कौन है? मुझे लगता है कि अगर आपको पता है कि आप कौन हैं? तो बाकी सबकुछ अपने आप ठीक हो जाता है। सेल्फ अवेयरनेस बहुत जरूरी है। तारा सुतारिया के ब्रेकअप की अटकलों के पीछे क्या कारण है? कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों

कौन हैं आदित्य अशोक तमिलनाडु में जन्मे रजनीकांत के फैन भारत के खिलाफ मिला प्लेइंग 11 में मौका

वडोदरा। भारतीय मूल के लेग स्पिनर आदित्य अशोक को न्यूजीलैंड की प्लेइंग 11 में रविवार को शामिल किया गया है। भारतीय मूल के लेग स्पिनर आदित्य अशोक को न्यूजीलैंड की प्लेइंग 11 में रविवार को शामिल किया गया है। वह भारत और न्यूजीलैंड के बीच जारी तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में खेलते नजर आ रहे हैं। यह मैच वडोदरा के कोताम्बी स्टेडियम पर खेला जा रहा है। आदित्य अशोक का जन्म तमिलनाडु के वेल्लोर में हुआ था। वह चार साल की उम्र तक भारत में रहे, इसके बाद उनके माता-पिता बेहतर करियर अवसरों की तलाश में ऑकलैंड शिफ्ट हो गए। न्यूजीलैंड में रहते हुए आदित्य ने क्रिकेट को गंभीरता से अपनाया और ऑकलैंड के घरेलू क्रिकेट सिस्टम से निकलकर अपनी पहचान बनाई। अंडर-19 से सीनियर टीम तक का सफर आदित्य अशोक ने 2020 के अंडर-19 विश्व कप में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया। दिसंबर 2021 में उन्होंने ऑकलैंड के लिए अपना प्रोफेशनल टी20 डेब्यू किया और जल्द ही तीनों फॉर्मेट में टीम के नियमित सदस्य बन गए। 2022-23 सीजन उनके करियर का टर्निंग पॉइंट रहा, जब शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें न्यूजीलैंड यंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया।

ट्रंप बोले- ईरान को आजादी दिलाने के लिए तैयार जानें खामेनेई ने किसे दी सजा-ए-मौत की चेतावनी

तेहरान। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने आजादी के लिए समर्थन का संकेत दिया है, जबकि खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को सजा-ए-मौत की चेतावनी दी। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका, ईरान को मौजूदा सरकार से आजादी दिलाने में मदद करने के लिए तैयार है। यह सरकार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व में चल रही है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान शायद पहले से कहीं ज्यादा आजादी के करीब है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका हर संभव मदद देने को तैयार है। क्या ईरान पर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई होगी? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर शुरूआती योजनाओं पर काम कर रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट ने वॉल स्ट्रीट जर्नल

के हवाले से बताया कि अमेरिकी अधिकारी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि ईरान के खिलाफ ट्रंप की हालिया चेतावनियों के बाद क्या कदम उठाया जाए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एक विकल्प के तौर पर ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले की संभावना पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। न तो अमेरिकी सेना की तैनाती की गई है और न ही कोई सैन्य उपकरण भेजा गया है। वॉशिंगटन से कड़ी चेतावनी ट्रंप ने ईरान को प्रदर्शनकारियों पर हिंसा न करने की सख्त चेतावनी दी है। शुक्रवार को उन्होंने कहा था कि अगर ईरानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, तो अमेरिका जवाब देगा। वॉशिंगटन में ईरान के हालात को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है। खामेनेई का पलटवार ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ट्रंप पर ईरानियों के खून से हाथ रंगे होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति को अपने देश की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। खामेनेई ने यह भी दावा किया कि ईरान में हो रहे प्रदर्शन अमेरिका को खुश करने के लिए किए जा रहे हैं। ईरानी प्रशासन ने देशभर में प्रदर्शनों के खिलाफ सख्ती और बढ़ा दी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि प्रदर्शनकारियों की मदद करने वालों को ह्अल्लाह का दुश्मनह्न माना जाएगा, जो ईरान में मृत्युदंड तक ले जा सकता है। ईरानी सरकारी टीवी पर जारी बयान में यह भी कहा गया कि जो लोग ह्लदंगाइयों की मददह्न करेंगे, उनके खिलाफ भी यही कार्रवाई की जाएगी। बयान में अभियोजकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना देरी के आरोप पत्र दाखिल करें। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त मुकदमे चलाएं जो देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं और अस्थिरता फैलाकर विदेशी ताकतों को मौका दे रहे हैं। इसमें साफ कहा गया है कि इन मामलों में किसी तरह की नरमी, दया या ढील नहीं बरती जाए। ईरान पर पहले भी कर चुका है हमला अमेरिका अमेरिका इससे पहले भी ईरान के भीतर सैन्य कार्रवाई कर चुका है। जून में अमेरिकी सेना ने ईरान के तीन ठिकानों पर कम से कम छह बंकर-बस्टर बम गिराए थे। इनमें फोर्डो परमाणु संवर्धन केंद्र भी शामिल था, जो पहाड़ के नीचे करीब 300 फीट गहराई में स्थित है। ये हमले ईरान द्वारा इस्त्राइल के खिलाफ परमाणु क्षमता इस्तेमाल की धमकी देने के बाद किए गए थे और इन्हें इस्त्राइल की सैन्य कार्रवाई के साथ समन्वय में अंजाम दिया गया था।

वेनेजुएला में क्या अमेरिका ने इस्तेमाल किया था रहस्यमयी हथियार

वॉशिंगटन। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के दौरान एक अत्याधुनिक हथियार के इस्तेमाल का दावा सामने आया है। वेनेजुएला के सैनिक ने बताया कि

इस हथियार के कारण वेनेजुएला के गार्ड्स चक्कर आने लगे और उल्टियां होने लगीं। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के दौरान एक अत्याधुनिक हथियार के इस्तेमाल को लेकर नया दावा सामने आया है। बताया जा रहा है कि मुट्ठीभर अमेरिकी सैनिकों ने इस हथियार के दम पर वेनेजुएला के सैनिकों को घुटनों पर ला दिया। इस हथियार को लेकर खुलासा वेनेजुएला का एक सैनिक ने किया है, जो अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सुरक्षा में तैनात था। न्यूयॉर्क पोस्ट के एक रिपोर्ट में वेनेजुएला के एक सैनिक के दावे से मादुरो की गिरफ्तारी के अभियान के दौरान हुए भीषण हमले के बारे में बड़ा खुलासा किया गया है। वेनेजुएला के सैनिक ने दावा किया कि अमेरिकी सैनिकों ने ऐसे हथियार का इस्तेमाल किया था, जिसकी वजह से वेनेजुएला के गार्ड्स को चक्कर आने लगे, खून की उल्टियां होने लगीं। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस रिपोर्ट को एक्स पर साझा किया है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने इस हथियार के इस्तेमाल को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वेनेजुएला के सैनिक ने किया क्या दावा? इस रिपोर्ट के मुताबिक सैनिक ने दावा किया कि हमले से ठीक कुछ मिनट पहले वेनेजुएला की सेना के सिस्टम पूरी तरह से फेल हो गए थे। गार्ड ने बताया, 'बिना किसी साफ वजह के हमारे सभी रडार सिस्टम बंद हो गए। कुछ ही देर बाद ऊपर ड्रोन दिखाई दिए, जिसके बाद कुछ हेलीकॉप्टर आए जिनमें लगभग 20 अमेरिकी सैनिक थे। यह भी बताया गया कि अमेरिकी सैनिक तकनीकी रूप से बहुत उन्नत थे और उन्होंने बेहद सटीक ढंग से हमला किया। वेनेजुएला के गृह मंत्रालय ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में करीब 100 सैनिकों के मारे जाने की बात स्वीकार की है। वहीं, व्हाइट हाउस ने इस अभियान के जानकारी देने पर चुप्पी साध रखी है। दावे के इतर यह साफ नहीं है कि इस सैन्य कार्रवाई के दौरान अमेरिका की ओर से कोई अत्याधुनिक हथियार इस्तेमाल किया गया था या नहीं।

ट्रंप का छलका दर्द कहा-ओबामा ने ऐसा कुछ नहीं किया जिसके लिए उन्हें मिला नोबेल

वॉशिंगटन। नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने की खीझ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हावी हो रही है। यही वजह है कि वे नोबेल शांति पुरस्कार के विजेताओं पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। इस कड़ी में ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की निंदा कर दी। नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दर्द छलका है। साथ ही उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को नोबेल दिए जाने पर भी सवाल उठाए। इसी के साथ ही फिर से भारत-पाकिस्तान संघर्ष खत्म कराने का दावा करते हुए ट्रंप ने कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इतिहास में उनसे अधिक हकदार कोई नहीं है।

बराक ओबामा को नोबेल दिए जाने की निंदा की ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को नोबेल दिए जाने की निंदा करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया था, जिसके लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया जाता। उन्होंने कई युद्ध रुकवाने के साथ भारत-पाकिस्तान युद्ध में 8 विमान मार गिराए जाने का दावा भी दोहराया। वेनेजुएला के तेल भंडारों पर चर्चा के लिए तेल और गैस कंपनियों के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में ट्रंप ने दोहराया, लोग डोनाल्ड ट्रंप को पसंद करें या न करें, लेकिन मैंने आठ बहुत बड़ी जंग रुकवाई हैं। कोई 36, कोई 32, कोई 31, कोई 28 और कोई 25 वर्ष से जारी थी। कुछ शुरू होने वाली थीं, जैसे भारत और पाकिस्तान के बीच। हालांकि, भारत हमेशा कहता रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद युद्धविराम में किसी तीसरे देश का योगदान नहीं रहा है। एजेंसी इतिहास में नोबेल का हकदार मुझसे ज्यादा कोई शायद ही हो ट्रंप ने कहा, मुझे याद नहीं कि इतिहास में कोई ऐसा व्यक्ति है, जो नोबेल पुरस्कार पाने के लिए मुझसे ज्यादा हकदार था। मैं शेखी नहीं मारना चाहता, लेकिन किसी और ने युद्ध नहीं रुकवाया। ओबामा को नोबेल पुरस्कार मिला। उन्हें खुद भी नहीं पता था कि क्यों। इससे पहले भी ट्रंप कई बार खुलकर नोबेल की इच्छा जता चुके हैं। मचाडो, ट्रंप को नहीं दे पाएंगी अपना नोबेल पुरस्कार नॉर्वे की नोबेल संस्थान ने स्पष्ट किया है कि नोबेल शांति पुरस्कार न तो किसी अन्य व्यक्ति को हस्तांतरित किया जा सकता है, न साझा किया जा सकता है और न ही वापस लिया जा सकता है। यह बयान वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि वह अपना 2025 का शांति पुरस्कार अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दे सकती हैं।

ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में हिंसा जारी अब तक 116 लोगों की मौत

तेहरान। ईरान में धार्मिक शासन के खिलाफ जारी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा में अब तक 116 लोगों की मौत हो चुकी है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार हजारों लोग गिरफ्तार किए गए हैं। ईरान में धार्मिक शासन के खिलाफ चल रहे देशव्यापी विरोध प्रदर्शन अब अपने दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुके हैं। इस बीच, प्रदर्शनों से जुड़ी हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 116 हो गई है। यह जानकारी मानवाधिकार संगठनों ने दी है। अमेरिका स्थित ूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, अब तक 2,600 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एजेंसी का दावा है कि उसने पहले भी ईरान में हुए आंदोलनों के दौरान सटीक आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। खामेनेई का सख्त रुख ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने हाल के दिनों में सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई कर सकती है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार हुआ, तो अमेरिका हस्तक्षेप कर सकता है। शनिवार को ईरान सरकार ने अपने तेवर और तीखे कर दिए। देश के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदर्शनों में शामिल लोगों को ईश्वर का दुश्मन माना जाएगा। ईरान के कानून में यह आरोप मृत्युदंड तक ले जा सकता है। ईरान क्यों हो रहा प्रदर्शन? इन प्रदर्शनों की शुरूआत 28 दिसंबर को रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद तेहरान के बाजारों से हुई। रियाल की कीमत एक डॉलर के मुकाबले 14 लाख तक पहुंच गई। व्यापारियों ने आसमान छूती महंगाई के खिलाफ दुकानें बंद कर प्रदर्शन शुरू किया। हालात तब और बिगड़े जब खाने के तेल, चिकन जैसी जरूरी चीजों की कीमतें रातोंरात बढ़ गईं और कई सामान बाजार से गायब हो गए। महंगाई, बेरोजगारी और प्रतिबंधों से त्रस्त लोग सड़कों पर उतरे। सरकार द्वारा सस्ती डॉलर व्यवस्था खत्म करने के फैसले ने आग में घी डालने का काम किया। धीरे-धीरे नारों का रुख आर्थिक मांगों से हटकर राजनीतिक बदलाव की ओर हो गया। अब तक ये प्रदर्शन सभी 31 प्रांतों में फैल चुका हैं।

सड़कों पर डटे रहें, ट्रंप ने आपकी बहादुरी देखी ईरानी प्रदर्शनकारियों को रेजा पहलवी का संदेश

ईरान: ईरान में जारी खामेनेई सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने नया संदेश जारी किया है। पहलवी ने आंदोलन कर रहे लोगों से सड़कों पर डटे रहने की अपील की है। दरअसल, ईरान में बढ़ती महंगाई, खराब अर्थव्यवस्था और गिरती मुद्रा की कीमत के बाद लोग सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। ईरान में जारी खामेनेई सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने नया संदेश जारी किया है। पहलवी ने आंदोलन कर रहे लोगों से सड़कों से नहीं हटने की अपील की। निर्वासित युवराज का यह संदेश रविवार को देशभर में चल रहे व्यापक प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों पर हो रही कार्रवाई के बीच जारी किया गया है। ईरान के अंतिम शाह के पुत्र पहलवी ने देशभर जारी विरोध प्रदर्शनों के लिए अपनी अपील दोहराई और आंदोलनकारियों से सड़कों पर हटे रहने का आग्रह किया। रेजा पहलवी ने डोनाल्ड ट्रंप की जमकर प्रशंसा की रेजा पहलवी ने ईरानियों को यह आश्वासन भी दिया कि उनकी आवाज को दुनिया भर में उनके देशवासियों की ओर से बुलंद किया जा रहा है। निर्वासित ईरानी नेता ने ईरान के लोगों को समर्थन देने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने देशवासियों को संबोधित करते हुए अपने संदेश में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने आपकी अतुलनीय बहादुरी को करीब से देखा है और आपकी सहायता के लिए तत्परता जताई है। 'सड़कों पर डटे रहें, मेरा दिल आपके साथ है' पहलवी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए ईशनियों के लिए अपने नए वीडियो संदेश में कहा, 'आज पूरी दुनिया आपकी राष्ट्रीय क्रांति के साथ खड़ी है और आपके साहस की प्रशंसा करती है। विशेष रूप से, स्वतंत्र विश्व के नेता के रूप में राष्ट्रपति ट्रंप ने आपकी अतुलनीय बहादुरी को करीब से देखा है और आपकी सहायता के लिए तत्परता व्यक्त की है। सड़कों पर डटे रहें। मेरा दिल आपके साथ है। मुझे पता है कि मैं जल्द ही आपके साथ होऊंगा।' अपने नए संदेश में क्या बोले रेजा पहलवी? अपने संदेश में रेजा पहलवी ने कहा, 'मेरे देशवासियों, लगातार तीसरी रात ईशन भर की सड़कों पर आपकी व्यापक और साहसी उपस्थिति ने खामेनेई के दमनकारी तंत्र और उनके शासन को बुरी तरह कमजोर कर दिया है। मुझे विश्वसनीय रिपोर्टें मिली हैं कि इस्लामी गणराज्य को सड़कों पर उतरे लाखों लोगों का सामना करने के लिए भाड़े के सैनिकों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, और अब तक कई सशस्त्र और सुरक्षा बलों ने अपने कार्यस्थल छोड़ दिए हैं या लोगों को दबाने के आदेशों का उल्लंघन किया है। खामेनेई के पास अब मुट्ठी भर हिंसक भाड़े के सैनिक बचे हैं, जो अपने अपराधी नेता की तरह ही गैर-ईरानी और ईरान-विरोधी हैं।'

डोनाल्ड ट्रंप की नाक कौन पकड़ेगा ईरान में खामेनेई के क्लीन बोल्ड होते ही क्या ट्रंप मार लेंगे बड़ी बाजी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के बहाने ट्रंप को दुनियाभर के नेताओं पर दबाव बनाने का एक जरिया मिल गया है। ट्रंप का अगला रुख तय करेगा कि दुनिया बहुध्रुवीय बनेगी या अमेरिका की मोनोपोली चलेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से अगली सुबह कौन सी चौंकाने वाली खबर आएगी? यह किसी को नहीं पता। ईरान में हिंसक प्रदर्शन लगातार खतरनाक मोड़ पर पहुंच रहा है। उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने आईआरजीसी को आगे करके खुद को भूमिगत कर लिया है। खामेनेई के क्लीन बोल्ड होते ही मध्य एशिया में अमेरिका का सपना साकार हो सकता है। ऐसे में एक बड़ा सवाल है कि फिर अमेरिका की नाक कौन पकड़ेगा? अमेरिका और इस्त्राइल ने मिलकर जिस तरह से मध्य एशिया में पैंतरेबाजी की है, उससे रूस और चीन के बहुध्रुवीय दुनिया के सपने को बड़ा झटका लगा है। सीरिया में बशर अल असद की सरकार के हाथ से सत्ता जाना इसमें बड़ा झटका था। अब अमेरिका के इस अभियान में ईशन एक बड़ा पड़ाव है। भारतीय विदेश मंत्रालय की भी इस घटनाक्रम पर बारीकी से नजर है। एक पूर्व विदेश सचिव का कहना है कि दुनिया में उथल-पुथल का दौर नई करवट ले रहा है। अभी अस्थिरता का जोखिम कम नहीं हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार अनप्रिडेक्टेबल बने हुए हैं। वह घरेलू राजनीति में घिरते जा रहे हैं। इसके साथ-साथ वैश्विक राजनीति में तेजी से अस्थिरता बढ़ाने के लिए भी जिम्मेदार हैं। सूत्र का कहना है कि 2026 अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए बहुत अहम है। मादुरो की गिरफ्तारी से समझिए अमेरिका के विशेष सैन्य दस्ते ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को गिरफ्तार कर लिया। पूर्व विदेश सचिव का कहना है कि यह जिस तरीके से और जैसे हुआ है, अपने आप में एक रिकॉर्ड है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मादुरो के विरुद्ध कार्रवाई की अनुमति देकर तमाम वैश्विक नेताओं की सीधे नाक पकड़ ली। इसके बाद वेनेजुएला से जाने वाले एक के बाद एक तेल टैंकर को अमेरिकी नौसेना द्वारा अपनी गिरफ्त में लेना भी चीन, रूस, यूरोपीय देशों को बड़ा संदेश देने जैसा है। वह डेनमार्क को लेकर बयान दे रहे हैं। ग्रीन लैंडपर अमेरिका का सपना देखना किसी को पच नहीं रहा है। इस तरह के संकेत अस्थिरता पैदा करने वाले और अच्छे नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप के हर कदम पर चीन और रूस की प्रतिक्रिया बड़े सधे अंदाज में हो रही है। बहुध्रुवीय विश्व क्या होगा? यूरोप अमेरिका की हां में हां मिलाता था। नाटो संगठन अमेरिका की अगुआई में अपना दबदबा बनाता था। राष्ट्रपति ट्रंप अभी इस परंपरागत रणनीति से किनारा कस रहे हैं। वह अमेरिका के ऐसे राष्ट्रपति हैं, जो विस्तारवाद की नीति को आगे बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति के दूसरे कार्यकाल की शुरूआत में उन्होंने अपने देशवासियों को ग्रेट अमेरिकाका सपना दिखाया था। तब अमेरिका के सामने आसन्न चुनौतियों को देखकर वैश्विक मामले के जानकारों को ट्रंप का यह लक्ष्य कम समझ में आया था। लेकिन टैरिफ वार के बाद जिस तरह से अमेरिका आगे बढ़ रहा है, वह सामरिक और कूटनीति के जानकारों को काफी हैरान कर रहा है। दरअसल, भारत, रूस, चीन जैसे दुनिया के तमाम देश बहुध्रुवीय दुनिया के पक्षधर हैं। अमेरिका 90 के दशक के बाद से मोनोपोलीके लिए जाना जाता है। उसकी इस मोनोपोली को सीरिया में रूस के बसर अल असद की सरकार के समर्थन में आक्रामक रुख ने चुनौती दे दी थी। इसके बाद चीन के साथ ट्रेड वार, दक्षिण चीन सागर में चीन का दावा, ईरान के साथ चीन और रूस के बढ़ते सहयोग ने अमेरिका के कान खड़े कर दिए। यूक्रेन के नाटो का सदस्य देश बनने की कोशिश और रूस के हमले में चीन के साथ उसके समीकरण, रूस-चीन-भारत की पहल से बने ब्रिक्स संगठनके प्रभावी होने की संभवना तथा अमेरिकी मुद्रा डॉलर को चुनौती ने अमेरिकी रणनीतिकारों को काफी चौकन्ना कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप सिके लिए अपने से पहले के राष्ट्रपति की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। ट्रंप अपनी नीतियों को इसका करेक्शन(सुधार) बताते हैं।

हमला किया तो इस्त्राइल के साथ अमेरिकी सेना बनेगी निशाना

दुबई। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, ईरान को मौजूदा सरकार से आजादी दिलाने में मदद करने के लिए तैयार है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ईरान शायद पहले से कहीं ज्यादा आजादी के करीब है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका हर संभव मदद देने को तैयार है। ईरान की संसद के अध्यक्ष ने रविवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी पर इस्लामिक गणराज्य पर हमला करता है, तो अमेरिकी सेना और इस्त्राइल पर वैध निशाना होंगे। मोहम्मद बगेर कालिबाफ की टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि उन्होंने ईरान पर हमले के बाद संभावित निशानों की सूची में इस्त्राइल को भी शामिल किया है। कट्टरपंथी नेता कालिबाफ ने यह धमकी तब दी जब ईरानी संसद में सांसद 'अमेरिका मुदार्बाद' के नारे लगाते हुए मंच पर चढ़ गए। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के लिए अपनी योजना के बारे में एक बड़ा संकेत दिया है। अमेरिकी सेना ने रविवार को उन्हें ईरान पर हमले के संभावित विकल्पों के बारे में जानकारी दी। अमेरिकी हमले की आशंका से हाई अलर्ट पर इस्त्राइल रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान पर अमेरिका के संभावित हमले की आशंका के मद्देनजर इस्त्राइल हाई अलर्ट पर है। रिपोर्ट में हफ्ते के आखिरी में इस्त्राइली सुरक्षा बैठकों में भाग लेने वाले तीन लोगों का हवाला दिया गया है। दावा किया गया है कि इस्त्राइलल ईरान में अमेरिका की ओर से संभावित कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। रुबियो और नेतन्याहू के बीच एक दिन पहले क्या हुई बातचीत? एक सूत्र ने समाचार एजेंसी को बताया कि शनिवार को फोन पर हुई बातचीत के दौरान इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान में अमेरिकी हस्तक्षेप की संभावना के बारे में बात की।

वेनेजुएला के बाद क्या ग्रीनलैंड और ईरान पर कब्जा करेंगे ट्रंप

वाशिंगटन। वेनेजुएला के बाद डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड और ईरान को लेकर भी बड़ी रणनीति सामने आई है। ट्रंप के आदेश के बाद अमेरिकी सेना दोनों देशों में सैन्य कार्रवाई करने की रणनीति बना रही है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ग्रीनलैंड को लेकर सेना के अधिकारियों के कुछ टकराव सामने आए हैं, जबकि ईरान को लेकर सेना ने अपनी योजना ट्रंप को विस्तार से बता दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला में घुसकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस अमेरिकी ऑपरेशन ने पूरी दुनिया में भूचाल ला दिया। 3 जनवरी को 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व' के तहत सेना वेनेजुएला की जमीन पर उतरी और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर अमेरिका ले गई। इस ऑपरेशन से पूरी दुनिया में तहलका मच गया। ऐसे में अब खबरों की मानें तो डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड और ईशन पर भी सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। ऐसा इसलिए कि डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (11 जनवरी) को वरिष्ठ विशेष बलों के कमांडरों को 'ग्रीनलैंड पर संभावित आक्रमण के लिए आकस्मिक योजनाएं' तैयार करना शुरू करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप को हाल के दिनों में ईरान को निशाना बनाने वाले कई सैन्य विकल्पों के बारे में जानकारी दी गई है। ग्रीनलैंड पर सैन्य योजना की तैयारी डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के निर्देश पर हालांकि शीर्ष सैन्य अधिकारियों की ओर से विरोध किया जा रहा है, जो इसकी वैधता और राजनीतिक व्यवहार्यता दोनों पर सवाल उठा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने संयुक्त विशेष अभियान कमान (जेएसओसी) को आक्रमण योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। लेकिन बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव का ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ विरोध कर रहा है, जो तर्क देते हैं कि ऐसा कोई भी अभियान गैरकानूनी होगा और उसे कांग्रेस का समर्थन प्राप्त नहीं होगा। जनरलों के मुताबिक ग्रीनलैंड योजना बेतुकी और गैरकानूनी है। बताया गया है कि इस तरह की कार्रवाई से ट्रंप यूरोपीय नेताओं के साथ सीधे टकराव के रास्ते पर आ जाएंगे और इससे उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के भीतर एक गहरा संकट पैदा हो सकता है, जिससे गठबंधन टूटने के कगार पर पहुंच सकता है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सूचना सं.: टेण्डर नं. "48-जीकेपी-एमडब्लूएस-2025-26" निविदा कार्य का विवरण: "प्रोविजन फॉर द वर्क ऑफ अपग्रेडेसन ऑफ टॉइलेट इन नान एसी आईसीएफ कोचेज, क्वानटिटी-500 कोचेज फॉर जीकेपीएस अंडर पीएच-21 ऐज पर पिंक बूक आइटम नंबर 209/24-25 (514/2023-24) एंड एलोकेशन-कैप", अनुमानित लागत(रू.में): ₹ 54,31,40,265/-, धरोहर राशि (रू.में): ₹ 28,65,700/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 11:00 बजे, दिनांक 07-02-2026, संविदा की अवधि: 18 मन्थस।

• उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जी./कार्य,
मुजाधि/यॉत्रिक-121 **यांत्रिक कारखाना,गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।